मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 45 ■ अंक : 250 ■ गुरुवार 1 जनवरी 2026 ■ पृष्ठ 4 — 3 रुपए

संपादक – हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

साल की आखिरी कैबिनेट मीटिंग से दूर रहे DCM शिंदे

चुनाव में शह मात की लड़ाई शुरू

2 जनवरी को नाम वापस लेने की अंतिम तिथि

फार्म पास होने के बाद चुनाव प्रचार में जुटे उम्मीदवार

■ फार्म वापसी के लिए अपक्ष व अन्य उम्मीदवारों पर दबाव शुरू

■ शिवसेना, भाजपा व राकांपा में होगी भिड़ंत

उल्हासनगर. उल्हासनगर मनपा चुनाव में दाखिल किए गए करीब 795 नामांकन पत्रों की कल स्क्रूटनी हुई। यह प्रक्रिया सभी 6 केंद्रों पर भारी गहमागहमी के बीच हुई। कई उम्मीदवारों ने अपने विरोधी उम्मीदवार के फार्म पर ऐतराज उठाया। वकीलों की मौजदूगी में प्रक्रिया पूरी हुई। जिसमें कितने फॉर्म रद्द हुए यह जानकारी लिखने तक नहीं प्राप्त हुई है। लेकिन किसी दिग्गज उम्मीदवार का फॉर्म रद्द नहीं हुआ है। जिस कारण अब चुनाव में डटे रहने वाले उम्मीदवारों ने अपना प्रचार शुरू कर दिया है। 2 जनवरी को उम्मीदवारी वापस लेने की अंतिम तिथि है और 3 जनवरी को चिन्ह वितरण के बाद औपचारिक रूप से चुनाव प्रचार शुरू होगा।

चुनाव प्रक्रिया के दौरान आज सभी अपक्ष व राजकीय पक्ष के उम्मीदवारों को उम्मीदवारी वापस लेने का दबाव शुरू होगा। कई उम्मीदवारों ने डम्मी के तौर पर भी फार्म दाखिल किए हैं। आज सारा दिन दबाव की राजनीति के तहत उम्मीदवारी वापस ली जाएगी। डर व दबाव की राजनीति में कितने उम्मीदवार अपना नाम वापस लेते हैं यह तो 2 जनवरी की शाम तक पता चल जाएगा।

कालानी - इदनानी में ठनी

उल्हासनगर मनपा चुनाव में शिवसेना, टीओके व साई पक्ष के साथ जब गणित सेट हो चुका था उसके बावजूद फॉर्म भरने के अंतिम दिन पर कालानी व साई पक्ष में दो पैनलों को लेकर आपसी मतभेद उभरकर सामने आए हैं। पैनल 9 से जहां साई पक्ष से आशा इदनानी को एक सीट दी गई वहां पर शिवसेना टीओके ने अपने उम्मीदवार कविता लासी को एबी फार्म देकर उम्मीदवार घोषित कर दिया। टीओके ने साई पक्ष से पैनल 12 अथवा 16 में सीट देने की बात कही थी लेकिन सीट न देने के कारण दोनों के बीच ठन गई है। अब खबर मिली है कि पैनल 12 व पैनल 9 में इदनानी व कालानी आमने सामने होंगे। ऐसा समझा जा रहा है कि सांसद की मध्यस्थता से यह मसला हल हो सकता है।

भाजपा जिलाध्यक्ष के फॉर्म पर सेना का ऐतराज

पैनल 8 से भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश वधरिया ने अपना फॉर्म भरा है। फार्म की जांच के दौरान शिवसेना उम्मीदवार ने वधरिया के फार्म पर ऐतराज जताया कि वो अवैध निर्माणों में लिप्त है। दोनों तरफ के वकीलों के बीच बहस के बाद चुनाव अधिकारी ने अपना फैसला अगली सुनवाई तक सुरक्षित रखा है।

शिवसेना के साथ RPI को 7 सीट

आरपीआय जिलाध्यक्ष नाना बागुल ने पैनल 4 से नामांकन पत्र भरते समय यह बताया है कि हमने इस चुनाव में शिवसेना से युति की है और शहर में 7 सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं। जबकि आरपीआय राष्ट्रीय अध्यक्ष रामदास आठवले ने भाजपा से युति की बात कही थी। ऐसे में आरपीआय ने भाजपा को छोड़ सेना के साथ हाथ मिलाकर भाजपा को झटका दिया है।

■ लबाना समाज ओबीसी नहीं

उल्हासनगर में पिछले कई मनपा चुनाव में लबाना समाज से ओबीसी से फार्म भरने वालों की सदस्यता न्यायालय के आदेश के बाद रद्द हो चुकी है। बावजूद शिवसेना कालानी गुट से दो उम्मीदवारों द्वारा पैनल 2 व 6 में फार्म भरे गए थे। जिस कारण भाजपा द्वारा ऐतराज उठाए जाने पर उनके फॉर्म तो रद्द नहीं किए गए लेकिन भविष्य में सेना को इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है।

■ बसपा 21 सीटों पर चुनावी मैदान में

उल्हासनगर मनपा चुनाव के नामांकन पत्र दाखिल करने के अंतिम दिन पर बसपा ने अपने 21 उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं। खबर मिली है कि वंचित आघाडी के भी कुछ उम्मीदवारों ने फॉर्म भरा है।

प्रभाग निहाय विश्लेषण...

पैनल-16 में होगी परिवर्तन की लहर

■ पानी, सफाई, भ्रष्टाचार, गार्डन हड़प प्रमुख मुद्दा

पैनल 16	
कुल मतदाता	21,021
पुरुष मतदाता	11,075
महिला मतदाता	10,942

उल्हासनगर. उल्हासनगर महानगरपालिका का चुनाव 15 जनवरी 2026 को होने जा रहा है। मनपा क्षेत्र में कुल 78 वार्डों के 20 पैनल बनाए गए हैं। सभी पैनल कई समस्याओं से ग्रस्त जिसमें हर पैनल में प्रमुख समस्या खराब सड़कें, पानी की किल्लत, साफ सफाई कचरे की समस्या, धोकादायक इमारतों का मुद्दा, ट्रैफिक, अवैध निर्माण समस्या जैसे मूलभूत सुविधा से शहर वंचित है और इन्हीं प्रमुख मुद्दों पर चुनाव प्रचार देखने को मिलेगा। ऐसे में हमने सभी पैनलों का विश्लेषण संक्षिप्त में किया है और यहां लोगों को पूर्व नगरसेवक ही चाहिए या कोई नया युवा नेता।

पैनल 16 कुल मतदाता 23,904 जिसमें 12,204 पुरुष व 11,694 महिलाएं हैं

उल्हासनगर-4 व 5 स्थित इस पैनल में चार वार्डों का समावेश है जिसमें गजानन नगर, नेताजी रोड, वीनस चौक परिसर, बंगलो परिसर, दीपक दरबार, योगेश नगर, शिवनेरी अस्पताल परिसर, जयबाबा धाम, प्रेमनगर टेकड़ी, नेताजी चौक, त्रिलोकदास गार्डन, नूतन नगर, हिरापुरी चौक, पंचशील नगर, आम्रपाली नगर, प्रभात टॉकीज रोड, महात्मा फुले झोपड़पट्टी, हिललाईन पुलिस स्टेशन परिसर, राशन आफीस, दसेरा मैदान, भीम कालोनी, मिलिंद नगर, एकता कालोनी, निजधाम आश्रम, पटेल नगर सेक्शन 25, नेताजी स्कूल परिसर आदि का समावेश है। 2017 के चुनाव में यहां अ - दीप्ति दुधानी साई पक्ष, ब - ज्योती चयनानी साई पक्ष, क - कांचन लुंड - साई पक्ष, ड- शेरी लुंड साई पक्ष के नगरसेवक रह चुके हैं। अब नए आरक्षण में यहां ओबीसी, जनरल महिला, जनरल महिला व जनरल है। इस पैनल में मराठी व सिंधी समाज के ज्यादातर मतदाता रहते हैं। इस पैनल पर पूरी तरह साई पक्ष का कब्जा है। यहां पर दो पूर्व नगरसेवक भाजपा में चले गए। इस पैनल में पानी, सफाई, भ्रष्टाचार व गार्डन हड़पने का मुद्दा छाया हुआ है। इस बार यहां त्रिकोणीय मुकाबला होगा। भाजपा व साई पक्ष अपने दो पूर्व नगरसेवकों के साथ मैदान में उतर चुकी है। जबकि इन दोनों की लड़ाई में राकांपा ने अपना पैनल मजबूत किया हुआ है। यहां से साई पक्ष ने राजा गेमनानी, दीप्ती दुधानी, चैनानी, अगीचा को उतारा है तो राकांपा ने सोनिया धामी, विजय गंगोत्री राजवानी, बाबू म्हात्रे, नेहा प्रकाश लुंड का समावेश है। इस पहले को भाजपा व भ्रष्टाचार मुक्त करने का प्लान अन्य पक्षों ने किया है।

उल्हासनगर में परिवारवाद का बोलबाला

■ बोडारे, भुल्लर, पाटिल परिवारों को तीन-तीन टिकट

उल्हासनगर. उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन चुनाव में भाई-भतीजावाद को प्राथमिकता दिए जाने की साफ तस्वीर सामने आई है. पता चला है कि बोडारे, भुल्लर, लुंड और पाटिल परिवारों से तीन-तीन उम्मीदवारों को टिकट दिए गए हैं. जबकि कई परिवारों में दो-दो उम्मीदवार दिए गए हैं. इस बड़े पैमाने पर पक्षपातपूर्ण टिकट बंटवारे से जमीनी कार्यकर्ताओं में नाराजगी की लहर है.

जिला प्रमुख धनंजय बोडारे, जो पिछले हफ्ते उद्धव सेना से BJP में शामिल हुए थे, ने खुद, अपनी

पत्नी और अपने भाभी के साथ तीन नॉमिनेशन पेपर दाखिल किए हैं. शिवसेना के राजेंद्रसिंह भुल्लर, पत्नी चरणजीत कौर और बेटे विक्की भुल्लर ने पैनल 5 और 3 के लिए अपना नॉमिनेशन फाइल किया है, जबकि BJP के अमर लुंड, शेरी लुंड और कंचन लुंड ने भी पैनल 16 और 17 से इसी तरह अपना नॉमिनेशन फाइल किया है।

कैंप 5 में, पता चला है कि शिवसेना ने पैनल 19 और 20 से विजय पाटिल के परिवार को तीन टिकट दिए हैं।

इसके अलावा, चौधरी, बागुल, चक्रवर्ती, कालानी समेत कई परिवारों से दो-दो नॉमिनेशन पेपर सामने आए हैं, जिससे पता चलता है कि शहर में भाई-भतीजावाद का दबदबा जारी है। इसके उलट, इस बात का अफसोस है कि सालों से पार्टी के प्रति वफादारी बनाए रखने वाले कार्यकर्ताओं को नजरअंदाज किया जा रहा है।

उल्हासनगर में, शिवसेना शिंदे ग्रुप, ओमी टीम और साई पार्टी ने 35-32-11 के सीट-शेयरिंग फॉर्मूले पर फैसला किया है। ओमी टीम का कैंडिडेट शिंदे सेना के सिंबल पर चुनाव लड़ेगा, जबकि साई पार्टी अपने टीवी सिंबल पर चुनाव लड़ेगी। हालांकि, इस सीट बंटवारे में भी टिकट बंटवारे को लेकर नाराजगी है। शिंदे सेना ने शहर प्रमुख और छह बार के नगरसेवक रमेश चव्हाण को उनके ही गढ़ में टिकट नहीं दिया और उन्हें पड़ोसी वार्ड से मैदान में उतारा। युवाने के सुशील पवार की मां को उनके मजबूत वार्ड से टिकट दिया गया।

लगातार तीन बार नगरसेविका रहीं ज्योति माने ने टिकट न मिलने पर निर्दलीय उम्मीदवारी दाखिल की। पूर्व नगरसेविका जयश्री सुर्वे और युवाधिकारी बाला श्रीखंडे ने भी टिकट न मिलने पर दूसरा रास्ता अपना लिया है और श्रीखंडे भाजपा में शामिल हो गए हैं।

वालधुनी फ्लाईओवर ट्रैफिक के लिए खुला

■ पुल की मरम्मत युद्ध स्तर पर 8 दिनों में पूरी हुई

■ वाहन चालकों को मिली राहत

कल्याण. कल्याण के वालधुनी फ्लाईओवर की मरम्मत युद्ध स्तर पर पूरी हो गई है और फ्लाईओवर सोमवार से ट्रैफिक के लिए खोल दिया गया है।

आम चुनावों के दौरान ट्रैफिक की भीड़ कम करने और ट्रांसपोर्टरों और यात्रियों के लिए यात्रा करना आसान बनाने के लिए, कमिश्नर अभिनव गोयल के निर्देशों के अनुसार, मनपा ने युद्ध स्तर पर काम किया और सिर्फ आठ दिनों में फ्लाईओवर की मरम्मत की और नागरिकों की सुविधा के लिए सोमवार से इसे ट्रैफिक के लिए खोल दिया। इससे कल्याण-डोंबिवली और पड़ोसी शहरों उल्हासनगर, अंबरनाथ और बदलापुर के गाड़ी चलाने वालों को बड़ी राहत मिली है।

कल्याण-मुरबाड रूट पर शहाड फ्लाईओवर और फिर एफ केबिन रोड इलाके में फ्लाईओवर को मरम्मत के लिए बंद कर दिया गया था। उसके बाद, कल्याण में तीसरे महत्वपूर्ण फ्लाईओवर की मरम्मत कल्याण-डोंबिवली मनपा द्वारा की गई। कल्याण के पूर्व और पश्चिम को जोड़ने वाले वालधुनी यानी नेताजी सुभाषचंद्र बोस फ्लाईओवर पर डामरीकरण और बेयरिंग बदलने के एक्सपेंशन जॉइंट का काम शुरू किया गया था।

वालधुनी के इस पुल पर बड़े पैमाने पर मरम्मत के काम के लिए केडीएमसी ने ट्रैफिक कंट्रोल ब्रांच पुलिस से 20 दिसंबर से 10 जनवरी तक 20 दिनों के लिए पुल बंद करने की अनुमति मांगी थी। हालांकि, चौबीसों घंटे काम चलने और अतिरिक्त मशीनरी लगाने से यह काम सिर्फ आठ दिनों में पूरा हो गया। पुल पर फुटपाथ की मरम्मत, रंग-रोगन और दूसरे छोटे-मोटे मरम्मत के काम अगले दो हफ्तों में पूरे हो जाएंगे, जबकि पुल पर ट्रैफिक चालू रहेगा.

पप्पू कालानी के साथ महेश सुखरामानी का जनसंपर्क शुरू

■ पैनल 6 में शिवसेना प्रत्याशी हैं सुखरामानी

उल्हासनगर. उल्हासनगर मनपा के पैनल 6 में शिवसेना उम्मीदवार महेश सुखरामानी ने पूर्व विधायक पप्पू कालानी के साथ अब जनसंपर्क अभियान शुरू कर दिया है। पैनल 6 नाना नानी पार्क परिसर से ही चुने गए महेश सुखरामानी यहां के स्थानीय निवासी होने के कारण यहां की समस्याओं से वाकिफ हैं लेकिन कुछ नेताओं ने राजनीति कर इस पैनल के लोगों को ही परेशान किया हुआ था ऐसे में अब इस परिसर को समस्या मुक्त कराने की शुरुवात हमने कर दी है। वार्ड में हमारा जनसंपर्क कार्यालय व मेरा नाना नानी गार्डन के सामने निवासस्थान है जो वार्डवासियों के लिए हमेशा खुला हुआ है। इस बार शिवसेना के तीर कमान से चुनाव में उतरकर हम पहले की ही तरह वार्डवासियों की सेवा करते रहेंगे।

गद्दारों के लिए रेड कार्पेट, कार्यकर्ताओं की अनदेखी

उल्हासनगर. उल्हासनगर में शिंदे सेना और BJP में MNS, टीम ओमी कलानी और शिवसेना उबाठा को देर रात शिवसेना और BJP में शामिल किया गया और सुबह AB फॉर्म दिए गए। इससे दोनों पार्टियों के वफादार कार्यकर्ताओं और मौजूदा नगरसेवकों में नाराजगी की लहर है। इसी नाराजगी के कारण कुछ ने निर्दलीय उम्मीदवारी दाखिल की है।

सोमवार रात को MNS के उप जिलाध्यक्ष प्रदीप गोडसे को शिवसेना शिंदे ग्रुप में शामिल किया गया और अगले दिन वार्ड नंबर 13 से उनकी उम्मीदवारी की घोषणा की गई। इस वार्ड से शिवसेना के वफादार कार्यकर्ताओं की आवाज उठने के बाद सुशील पवार की मां को भी टिकट दिया गया। इसी वार्ड में मौजूदा नगरसेविका ज्योति माने को पार्टी से टिकट न मिलने पर आखिरकार निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर अर्जी दाखिल करनी पड़ी।

सात बार एक ही वार्ड से चुने जाने के बावजूद, इस चुनाव में शिवसेना प्रमुख रमेश चव्हाण को पड़ोसी वार्ड से टिकट दिया गया है, जिससे शिवसेना समर्थकों में नाराजगी है। यह आशंका जताई जा रही है कि वार्ड क्रमांक 13 में शिवसेना शिंदे गुट के अधिकृत उम्मीदवारों पर इसका असर पड़ेगा।

इस बीच, मंगलवार रात को शिंदे सेना के युवा पदाधिकारी बाला श्रीखंडे को भाजपा में शामिल कर लिया गया और वार्ड क्रमांक 1 से उनकी उम्मीदवारी की घोषणा की गई।

नगराध्यक्षा तेजश्री करंजुले कल से संभालेंगी पदभार

■ 25 दिन के भीतर सभा लेकर उप नगराध्यक्ष आदि का चुनाव होगा

अंबरनाथ. अंबरनाथ नपा की नवनिर्वाचित नगराध्यक्षा तेजश्री विश्वजीत करंजुले पाटिल 2 जनवरी शुक्रवार को अपने पद का कार्यभार संभालेंगी. ऐसा भाजपा की ओर से जानकारी दी गई है. पहले एक जनवरी बताया गया था. लेकिन किसी कारणवश अब 2 जनवरी को पदभार संभालने का कार्यक्रम होगा. पदभार स्वीकार करने के बाद एवं चुने गए नगरसेवकों के शासन राजपत्र में प्रसिद्ध होने के 25 दिन के भीतर नगराध्यक्ष की अध्यक्षता में पहली सभा होना अनिवार्य है. इस पहली सभा में उपनगराध्यक्ष और स्वीकृत नगरसेवकों का चुनाव किया जाएगा. इस आदेश के बाद जिलाधिकारी के आदेश से विषय समिति सभापति एवं सदस्य की चुनाव प्रक्रिया संपन्न होगी. उपनगराध्यक्ष के लिए एवं विषय समितियों के लिए शिवसेना-भाजपा, कांग्रेस, राकांपा में रस्सीखेच शुरू है. अंबरनाथ नपा में कुल 59 नगरसेवक हैं, जिसमें नगराध्यक्षा के साथ भाजपा के 14, शिवसेना 27, कांग्रेस 12, राष्ट्रवादी कांग्रेस 4 और दो निर्दलीय सदस्य हैं.

नियमानुसार स्थायी समिति का सभापति पद नगराध्यक्ष के पास रहेगा. स्वास्थ्य समिति का सभापति पद उपनगराध्यक्ष के पास होता है. बांधकाम सभापति एवं महिला बाल कल्याण सभापति पद के लिए चुनाव होगा, जिसके लिए सभी पक्ष की ओर से योजनाएं बनाई जा रही हैं. चुनाव संपन्न हुए 2025 में और नए वर्ष 2026 में नगराध्यक्षा एवं नगरसेवकों के मार्गदर्शन में शहर विकास कार्य की शुरूआत होगी.

उल्हासनगर में नाकाबंदी, कॉम्बिंग आपरेशन

■ नए साल की पूर्व संध्या पर 'ऑपरेशन ऑल आउट'

उल्हासनगर. मनपा चुनाव और नए साल के मद्देनजर उल्हासनगर ज़ोन-4 में पुलिस ने शहर में सख्त कानून व्यवस्था बनाए रखने और अपराधियों को कड़ी चेतावनी देने के लिए 'ऑपरेशन ऑल आउट' चलाया। सिर्फ़ तीन घंटे में, उन्होंने बड़ी संख्या में लोगों की मदद से नाकाबंदी, कॉम्बिंग, बार-लॉज चेकिंग की और शराबबंदी, NDPS, KOTPA और हथियार कानूनों के तहत कार्रवाई करके शहर में सुरक्षा का एक मज़बूत संदेश दिया।

उल्हासनगर ज़ोन-4 में 'ऑपरेशन ऑल आउट' को असरदार तरीके से लागू किया गया।

इस खास अभियान का मकसद चुनाव के समय और नए साल के मद्देनजर संभावित अपराध पर रोक लगाना, नागरिकों में सुरक्षा की भावना को मज़बूत करना और कानून व्यवस्था बनाए रखना था। सचिन गोर के मार्गदर्शन में, छह. पुलिस कमिश्नर अमोल कोली ने खुद अलग-अलग जगहों पर कॉम्बिंग ऑपरेशन का नेतृत्व किया ताकि अपराध के अड्डों के खिलाफ़ ज़्यादा से ज़्यादा कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। कुल 41 पुलिस अधिकारी और 187 अमलदार सीधे ड्यूटी पर थे।

इस ऑपरेशन में, शराबबंदी कानून के तहत 9 अपराध और 9 नोटिस, जुआ कानून के तहत 1 अपराध और 3 नोटिस, और NDPS (सात) के तहत 6 अपराध और 6 नोटिस जारी किए गए। 21 अपराध और 21 नोटिस जारी करके तंबाकू विरोधी कार्रवाई भी कड़ी की गई। वारंट एक्ज़ीक्यूशन में 5 मामले निपटाए गए, जिसमें 1 गिरफ्तारी, 1 आरोपी मारा गया, और 3 नोटिस जारी किए गए। M.P. एक्ट की धारा 142 के तहत 1 अपराध, साथ ही आर्म्स एक्ट के तहत 1 अपराध और 1 गिरफ्तारी।

M.P. एक्ट के तहत 16 मामले दर्ज किए गए और सभी नोटिस जारी किए गए। 80 लॉज और बार का इंस्पेक्शन किया गया और 98 हिस्ट्रीशीटर, गुंडे और अवैध घुसपैठियों का इंस्पेक्शन किया गया। इन इंस्पेक्शन में कोई अपराध नहीं मिला। वॉन्टेड आरोपियों का रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया गया। ट्रैफिक सेफ्टी के लिए सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर राजेश शिरसाठ की गाइडेंस में 8 जगहों पर नाके लगाकर 163 गाड़ियों की जांच की गई। ट्रैफिक डिपार्टमेंट की मदद से 14,500 फाइन वसूले गए। कुल मिलाकर, 'ऑपरेशन ऑल आउट' की वजह से उल्हासनगर में पुलिस की मजबूत मौजूदगी रही। चुनाव के समय और नए साल के जश्न के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने का पुलिस का पक्का इरादा इस ऑपरेशन से साफ हो गया है, और क्रिमिनल लोगों को कड़ी चेतावनी दी गई है।

प्रभाग निहाय विश्लेषण...

पैनल 17 में 25 करोड़ के विकास फंड की चर्चा

■ राजनीति का शिकार बना पैनल

पैनल 17	
कुल मतदाता	22,190
पुरुष मतदाता	11,511
महिला मतदाता	10,678

उल्हासनगर। उल्हासनगर महानगरपालिका का चुनाव 15 जनवरी 2026 को होने जा रहा है। मनपा क्षेत्र में कुल 78 वार्डों के 20 पैनल बनाए गए हैं। सभी पैनल कई समस्याओं से ग्रस्त जिसमें हर पैनल में प्रमुख समस्या खराब सड़कें, पानी की किल्लत, साफ सफाई कचरे की समस्या, धोकादायक इमारतों का मुद्दा, ट्रैफिक, अवैध निर्माण समस्या जैसे मूलभूत सुविधा से शहर वंचित है और इन्हीं प्रमुख मुद्दों पर चुनाव प्रचार देखने को मिलेगा। ऐसे में हमने सभी पैनलों का विश्लेषण संक्षिप्त में किया है और यहां लोगों को पूर्व नगरसेवक ही चाहिए या कोई नया युवा नेता।

उल्हासनगर-5 स्थित इस पैनल में चार वार्डों का समावेश है जिसमें भरत नगर काली माता मंदिर, सत्यसाई निकेतन, संभाजी नगर, देव समाज रोड, शिवनेरी हॉस्पीटल, सरस्वती विद्यालय, ब्राह्मण पाड़ा, नेताजी रोड, कुर्ला कैम्प रोड, राहुल नगर, प्रभात गार्डन, हरिजन पाडा, कैलाश नगर, भाटिया चौक, शांतिप्रकाश चौक, दसेरा मैदान, जय जनता कालोनी, वीर तानाजी नगर, गणेश नगर आदि का समावेश है। 2017 के चुनाव में यहां अ - सुनिता बगारे -राष्ट्रवादी कॉंग्रेस ब - पूजा लाबना -राष्ट्रवादी कॉंग्रेस क -भरत गंगोत्री - राष्ट्रवादी कॉंग्रेस ड - सतराम जेस्वानी - राष्ट्रवादी कॉंग्रेस के नगरसेवक रह चुके हैं। अब नए आरक्षण में यहां अनुसूचित जाति, ओबीसी महिला, जनरल महिला व जनरल सीट है। इस पैनल में मराठी व सिंधी समाज के ज्यादातर मतदाता रहते हैं। इस पैनल पर पूरी तरह राकांपा का कब्जा है। यहां पर राकांपा जिलाध्यक्ष भारत गंगोत्री का वर्चस्व है। उन्होंने यहां पर उपमुख्यमंत्री फंड से 25 करोड़ का विकास फंड लाया था उस फंड से वार्ड में ज्यादातर सीसी सड़कें, स्ट्रीट लाईट, पानी लाईन, उद्यान सुशोभीकरण आदि कार्य हुआ। लेकिन विरोधियों का कहना है कि कार्य नहीं हुए। वहीं गंगोत्री का कहना है कि जितने भी विकास कार्य किए हैं वो लोगों के समक्ष है और जो कार्य होने थे वो विरोधियों ने विस्तारीकरण और गंदी राजनीति कर रुका दिए। विस्तारीकरण में उन्होंने अहम भूमिका निभाई। इस बार गंगोत्री को घेरने को लिए भाजपा व शिवसेना ने कमर कसी हुई है जबकि गंगोत्री ने इस बार अपने साथ नए युवाओं को मौका दिया है। जिसमें रिंकी अनिल धामेजानी, सोनिया जग्यासी, शानू क्षीरसाठ का समावेश है।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. - वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

NRI शादियों पर बढ़ती शिकायतें

देश में पिछले कुछ वर्षों से एनआरआइ यानी अनिवासी भारतीयों से शादी रचाने का चलन बढ़ रहा है। विदेश की चकाचौंध यहां के परिवारों को अपनी ओर आकर्षित करती है। मगर कई बार उनके ये सपने तब डरावनी हकीकत में बदल जाते हैं, जब उन्हें धोखाधड़ी, शोषण, परित्याग, और मानसिक एवं शारीरिक प्रताड़ना का सामना करना पड़ता है।

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की वार्षिक रपट से पता चलता है कि इस तरह की परेशानियां सबसे ज्यादा पंजाब की महिलाओं को झेलनी पड़ रही हैं, क्योंकि यहां अनिवासी भारतीयों से विवाह का आंकड़ा भी ज्यादा है। इसके बाद महाराष्ट्र, दिल्ली, और केरल सहित दूसरे राज्यों का स्थान आता है।

यहां गौर करने वाली बात यह है कि ऐसे मामलों में दो देशों के शामिल होने से कानूनी प्रक्रिया भी जटिल हो जाती है। हालांकि, सरकारी तंत्र में इस तरह की शिकायतों के निपटारे के लिए व्यवस्था मौजूद है, लेकिन जमीनी स्तर पर उसका प्रभावी असर कम ही दिखाई देता है।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की रपट के मुताबिक, वर्ष 2024 में देशभर से ऐसे मामलों से जुड़ी चार सौ से अधिक शिकायतें दर्ज की गईं। जबकि, इस वर्ष एक जनवरी से 31 मार्च तक यह आंकड़ा सौ से ज्यादा रहा। वहीं, राष्ट्रीय महिला आयोग के आंकड़े बताते हैं कि इस वर्ष पंजाब में अनिवासी भारतीयों से विवाह के विवाद को लेकर सबसे ज्यादा 49 शिकायतें मिलीं। इसी तरह, महाराष्ट्र से 37 और दिल्ली से 31 मामले सामने आए।

पंजाब में इस तरह के मामले अधिक होने के पीछे कई कारक जिम्मेदार हैं, जिनमें सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक पहलू भी शामिल हैं। सरकार का दावा है कि ऐसे मामलों को सुलझाने के लिए कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया को विभिन्न हितधारकों के साथ समन्वय करके तेज किया जाता है।

विदेश में भारतीय दूतावासों और मिशनों के जरिए भी समाधान तलाशने की कोशिश की जाती है। मगर हकीकत यह है कि विदेश में भाषा, कानून और सामाजिक सहयोग के अभाव में पीड़ित महिलाओं के लिए मदद पाना बेहद मुश्किल हो जाता है। सरकार को चाहिए कि इस तरह के मामलों में कानूनी प्रक्रिया को सरल एवं सुगम बनाया जाए, ताकि दोषियों को जल्द न्याय के कठघरे में लाया जा सके।

सड़क हादसों का समय से सही समाधान अनिवार्य

देश में हर दिन कोई न कोई बड़ी सड़क दुर्घटना होती है। कभी-कभी तो एक ही दिन कई जानलेवा हादसे होते हैं, जिनमें कई लोग मारे जाते हैं। इधर घने कोहरे के कारण मार्ग दुर्घटनाओं का जोखिम और बढ़ गया है। पिछले दिनों घने कोहरे के कारण देश के विभिन्न हिस्सों में कई मार्ग दुर्घटनाएं हुईं। इनमें सबसे भयंकर रही आगरा से नोएडा जाने वाले एक्सप्रेसवे पर। यहां एक कार और बस की टक्कर होने के बाद एक के बाद एक कुल 11 गाड़ियां आपस में टकरा गईं, जिनमें छह स्लीपर कोच और दो रोडवेज बसें भी थीं।

टक्कर के बाद कई वाहनों में आग लग गई, जिसमें दर्जन भर लोग जिंदा जलकर मर गए, जिनकी पहचान मुश्किल हो गई। एंबुलेंस, पुलिस, फायर सर्विस अथवा परिवहन से संबंधित कोई इकाई उनकी मदद नहीं कर सकी। डीएनए टेस्ट द्वारा उनके संबंधियों से मिलान कर शवों की पहचान की गई। उन परिवारों की पीड़ा का बयान शब्दों में संभव नहीं। ऐसी हर दुर्घटना के पीछे लापरवाही होती है।

जब रात्रि के घने कोहरे में पैदल यात्रियों को भी चलना दूभर हो जाता है, तब पूरी रफ्तार से बिना आवश्यक सावधानी के स्लीपर या रोडवेज बसों का चलना गंभीर अपराध कहा जाएगा। यदि चालक अत्यधिक ड्यूटी के कारण नींद की झपकी ले रहे थे या वाहनों में आवश्यक फाग लाइटें नहीं थीं, अथवा कोई अन्य तकनीकी कमी थी तो यह बस मालिकों की भी गंभीर लापरवाही मानी जाएगी। पूरा देश जानता है कि दिसंबर और जनवरी के महीने में प्रतिवर्ष पूरे

उत्तर भारत में कोहरा पड़ता है, जो अचानक किसी दिन बहुत घने और कभी बहुत हल्का होता है।

आगरा-नोएडा एक्सप्रेसवे पर जिस दिन दुर्घटना हुई, उसके दो दिन पूर्व घने कोहरे के कारण लखनऊ इकाना स्टेडियम में होने वाला क्रिकेट मैच खिलाड़ियों के मैदान में उतर जाने के बाद भी स्थगित करना पड़ा था। मौसम विभाग की चेतावनी भी कोहरे को लेकर थी, परंतु इन गाड़ियों की रफ्तार नियंत्रण और चेकिंग इत्यादि की कोई व्यवस्था नहीं की गई। कम से कम कुछ चेकपोस्टों पर लाउडस्पीकरों से घोषणा कर वाहन चालकों को आगाह किया जा सकता था, लेकिन किसी को चिंता नहीं थी। प्रश्न है कि ऐसा क्यों हुआ?

इसका मूल कारण किसी उच्चतम अधिकारी की स्पष्ट जिम्मेदारी का न होना है। इसका कारण यह है कि किसी की जवाबदेही नहीं होती और न ही कोई चिंता करता है। परिवहन विभाग ट्रैफिक पुलिस पर और ट्रैफिक पुलिस परिवहन विभाग पर दोष डालकर शांत हो जाते हैं और कुछ दिन बाद घटना भुला दी जाती है।

ट्रैफिक पुलिस के अधिकारी समझते हैं कि उनकी जिम्मेदारी अब चौराहों तक सीमित है, ताकि यातायात अबाध रूप से चलता रहे।

आगरा-एक्सप्रेसवे पर भयंकर दुर्घटना के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कठोर रुख अपनाने ही दूसरे दिन उत्तर प्रदेश में एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण सक्रिय हो गया। आगरा, लखनऊ, बुंदेलखंड और पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर 50 पायलट गाड़ियां तैनात कर दी गईं और 75 संवेदनशील स्थान भी चुन लिए गए, जहां से गाड़ियों काफिले को नियंत्रित गति से चलाना प्रारंभ की गई। चिह्नित स्थानों पर ब्लिंकर्स लगाए गए। जगह-जगह लाउडस्पीकर लगाकर सतर्क करने की व्यवस्था की गई।

इन चारों एक्सप्रेसवे पर हर 50 किमी की दूरी पर विशेष वाहनों की तैनाती की गई, जिसमें गश्ती वाहन, एंबुलेंस और रेस्क्यू वाहन लगाए गए। गाड़ियों को प्रवेश बिंदुओं पर रोककर रिफ्लेक्टर और फाग लाइटें लगाई गईं। अग्निशमन वाहनों की व्यवस्था की गई। वाहनों की गति सीमा निर्धारित कर उसे लागू किया गया और न मानने वालों के चालान काटे गए। यह दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि यह सब पहले नहीं किया जा सका। पुलिस और प्रशासन दुर्घटना होने के बाद चेतता है। इसका एक कारण यह है कि देश भर में आम तौर पर यातायात पुलिस को शहर के चौराहों तक सीमित कर दिया गया है, जबकि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने में पुलिस से अधिक प्रभावशाली योगदान किसी और विभाग का हो ही नहीं सकता।

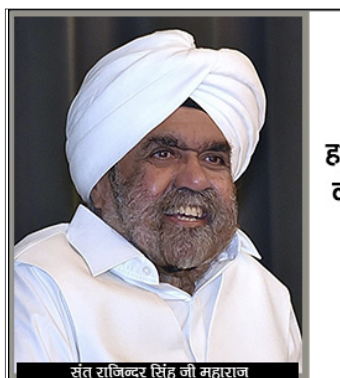

हम सोचते हैं कि हम इस संसार के हैं, लेकिन एक भी आत्मा इस संसार की नहीं है। सभी आत्माएँ प्रभु की हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

अरावली की ऊंचाई पर सुप्रीम कोर्ट की परिभाषा

हाल ही में अरावली पहाड़ियों की ऊंचाई को लेकर सुप्रीम कोर्ट की ओर से नई परिभाषा सामने आने के बाद स्वाभाविक ही यह बहस तेज हो गई कि अगर इसे कसौटी बनाया गया, तो आने वाले वक्त में स्थानीय पारिस्थितिकी पर इसका क्या असर पड़ेगा। पर्यावरण विशेषज्ञों से लेकर आम जनता के स्तर पर सौ मीटर की ऊंचाई वाली परिभाषा को लेकर चिंता जताई गई और एक बड़े इलाके के पर्यावरण पर जोखिम की आशंका के मद्देनजर इसमें फिर से बदलाव की मांग की गई।

अब सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अपने पहले के निर्देशों पर रोक लगा दी और कहा कि कुछ महत्त्वपूर्ण अस्पष्टता को दूर करने की जरूरत है। इसमें एक सवाल यह भी शामिल है कि क्या सौ मीटर की ऊंचाई और पहाड़ियों के बीच पांच सौ मीटर का अंतर पर्यावरण संरक्षण के दायरे के एक महत्त्वपूर्ण हिस्से को कम कर देगा। गौरतलब है कि 20 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने अरावली पहाड़ियों और श्रेणियों की एक समान और वैज्ञानिक परिभाषा को मंजूरी दे दी थी। इसके अलावा, अरावली क्षेत्र में विशेषज्ञों की रपट आने तक नए खनन पट्टे देने पर रोक लगा दी गई थी।

दरअसल, दुनिया की सबसे प्राचीन पर्वत-शृंखलाओं में से एक अरावली पहाड़ियों के संरक्षण और बिना रोकटोक खनन से समूचे क्षेत्र में होने वाले पर्यावरणीय नुकसान को लेकर लंबे समय से बहस चलती रही है। इसी संबंध में केंद्रीय वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की एक समिति ने सिफारिश की थी कि अरावली पहाड़ियों के संबंध में स्पष्ट और वैज्ञानिक परिभाषा बेहद

जरूरी है। समिति ने यह भी कहा था कि अरावली जिलों में स्थित सौ मीटर या उससे अधिक की किसी भी भू-आकृति को पहाड़ी माना जाएगा।

मगर सुप्रीम कोर्ट की ओर से भी इसे स्वीकार्यता मिलने के बाद राष्ट्रीय स्तर पर अरावली के जीवन को लेकर चिंता जताई गई और कई सवाल उठे। यह एक जगजाहिर तथ्य है कि दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान तथा गुजरात में सैकड़ों किलोमीटर के इलाके में फैली अरावली पहाड़ियां कैसे एक जीवन-रेखा की भूमिका में खड़ी हैं और पर्यावरण के लिहाज से इसकी कितनी अहमियत है। ऐसे में स्वाभाविक ही यह सवाल उठा कि इस पर्वत श्रेणी में निर्बाध खनन गतिविधियों को अगर खुली छूट दी गई तो यह सार्वजनिक हित के लिहाज से कितना सही है।

पर्यावरण विशेषज्ञों और इस मसले पर शोधकर्ताओं का साफ मानना रहा है कि अगर सौ मीटर से नीचे की सभी पहाड़ियों में खनन की इजाजत दे दी जाती है, तो इसका असर समूचे इलाके में पड़ेगा। पश्चिम की तरफ से आने वाली गर्म हवा और धूल भरी आंधियों को रोकने में अरावली की पहाड़ियां एक तरह की दीवार का काम करती हैं।

इस संदर्भ में देखें तो इन पहाड़ियों की यह भूमिका और महत्त्व सभी जानते हैं कि अगर इन्हें नुकसान पहुंचा, तो पूर्वी राजस्थान, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली सहित राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के इलाकों में धूल भरी आंधियों और सूखे का प्रकोप काफी बढ़ जाएगा। ऐसे में अगर अरावली पहाड़ियों के संरक्षण को लेकर कोई सख्त नियम-कायदे तय नहीं किए गए, तो उसके बाद उस इलाके में खनन और निर्माण से जुड़ी अन्य गतिविधियों से पर्यावरण पर व्यापक पैमाने पर नकारात्मक असर पड़ेगा और पारिस्थितिकी तंत्र के नष्ट हो जाने की आशंका है।

यह सही है कि विकास की राह न रुके, लेकिन अगर इसकी कीमत पर एक बड़े इलाके के पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र को दीर्घकालिक नुकसान पहुंचता है, तो विकास की परिभाषा पर सवाल उठेंगे।

चीन ने बना डाली बिना कांटों वाली मछली

चीन ने एक बार फिर विज्ञान से दुनिया को चौंका दिया है. चाइनीज एकेडमी ऑफ साइंसेज (CAS) की टीम ने 'झोंगके

जरा हट के

नंबर 6' नाम की नई वैरायटी ऑफ गिबेल कार्प विकसित की है, जिसमें वो छोटे-छोटे Y-शेप्ड इंटरमस्कुलर बोन्स (कांटे) बिल्कुल नहीं होते.

ये मछली एशिया में बहुत पॉपुलर है. अपने टेंडर मीट, हाई प्रोटीन, लेकिन 80 से ज्यादा छोटे कांटों की वजह से इसे खाना मुश्किल होता है. कभी-कभी कांटे गले में फंस जाते से घुटन का खतरा भी होता था. लेकिन अब ये समस्या हमेशा के लिए खत्म हो गई है.

सालों की मेहनत का नतीजा

रिसर्च टीम के लीडर एकेडमिशियन गुई जियानफांग ने बताया कि 6 साल की 'प्रिसिजन सीड डिजाइन एंड क्रिएशन' प्रोजेक्ट के तहत ये सफलता मिली है. पहले टीम ने

मछली के जीनोम मैप किया और runx2b जीन (दो होमोलॉग्स – Cgrunx2b-A और Cgrunx2b-B) को आइडेंटिफाई किया, जो इंटरमस्कुलर बोन्स बनाने का 'आर्किटेक्ट' है. गिबेल कार्प में मल्टीपल क्रोमोसोम सेट्स होने से CRISPR/Cas9 'मॉलिक्यूलर सिजर्स' से एम्ब्रियो स्टेज पर इन जीन को प्रेसिजन से काटा गया. इसका नतीजा हुआ कि मुख्य स्केलेटन नॉर्मल डेवलप हुआ, लेकिन छोटे कांटे कभी बने ही नहीं. ये वैरायटी सिर्फ बोन-फ्री नहीं, बल्कि तीन बड़े फायदों वाली है: 25% फास्टर ग्रोथ यानी ज्यादा प्रोडक्शन. डेंस एक्वाकल्चर में बीमारी रेसिस्टेंस. कम फीड में ही हाई-क्वालिटी प्रोटीन यानी सस्टेनेबल और पर्यावरण फ्रेंडली.

2023 में टीम ने पहले इंटरमस्कुलर बोन-फ्री कार्प बनाया था, जिसकी स्टडी Aquaculture जर्नल में पब्लिश हुई थी. अब 'झोंगके नंबर 6' को कैंडिडेट वैरायटी के रूप में अनाउंस किया गया है. ये एक्वाकल्चर इंडस्ट्री के लिए गेम-चेंजर है. चीन दुनिया का सबसे बड़ा फिश प्रोड्यूसर है और गिबेल कार्प (क्रूसियन कार्प का रिलेटिव) घरेलू खाने में आम है. अब बिना कांटों वाली मछली से प्रोसेसिंग आसान हो जाएगी.

लोबिया दाल

खाना-खजाना

आज की बिजी लाइफ में हेल्दी और टेस्टी खाना बनाना हर किसी के लिए जरूरी हो गया है। इसलिए अगर आप प्रोटीन का बढ़िया सोर्स ढूंढ रहे हैं, तो लोबिया आपके लिए एक शानदार ऑप्शन बन सकती है। लोबिया से बनी दाल न सिर्फ टेस्टी होती है, बल्कि यह शरीर को जरूरी पोषण भी देती है। शाकाहारी लोगों के लिए तो लोबिया दाल प्रोटीन का एक बेहतरीन स्रोत बन सकती है। फिर देर किस बात कि है, आइए जानते हैं इसे बनाने की आसान रेसिपी और इसके जबरदस्त फायदों के बारे में।

सामग्री-

- लोबिया (भिगोई हुई)- 1 कप
- टमाटर- 2 (बारीक कटे हुए)
- प्याज- 1 (बारीक कटा हुआ)
- अदरक-लहसुन पेस्ट- 1 छोटी चम्मच
- हरी मिर्च- 1-2 (कटी हुई)
- हल्दी पाउडर- 1/2 चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर- 1 चम्मच
- धनिया पाउडर- 1 चम्मच
- गरम मसाला- 1/2 चम्मच
- जीरा- 1 छोटी चम्मच
- तेल/घी- 2 चम्मच

- हरा धनिया- सजाने के लिए
- नमक- स्वादानुसार

बनाने की विधि-

सबसे पहले लोबिया को 6-7 घंटे पानी में भिगो दें। फिर प्रेशर कुकर में तेल/घी गर्म करें और उसमें जीरा डालें। अब प्याज, अदरक-लहसुन पेस्ट और हरी मिर्च डालकर सुनहरा होने तक भूनें। इसके बाद इसमें टमाटर, हल्दी, लाल मिर्च, धनिया पाउडर डालकर मसाला अच्छे से पकाएं। अब भीगे हुए लोबिया और 2-3 कप पानी डालकर कुकर के 3-4 सीटी आने तक पकाएं। इसके बाद आखिर में गरम मसाला डालें और ऊपर से हरा धनिया सजाकर सर्व करें। इसे चपाती, चावल या बाजरे की रोटी के साथ गर्मागर्म खाया जा सकता है।

नए साल में जरूर करवाएं सेहत से जुड़े ये 5 टेस्ट

साल 2026 की शुरुआत हर कोई अपने अलग अंदाज में करना चाहता है. नए साल में लोग अपने करियर, हेल्थ, रिलेशनशिप समेत कई चीजों को लेकर रिजॉल्यूशन भी लेते हैं और इन्हें हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं. आजकल सेहत सभी के लिए प्रायोरिटी बन गई है, क्योंकि बीमारियों का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है. हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो अगर आप स्वस्थ हैं, तब भी साल में एक बार हेल्थ चेकअप जरूर कराना चाहिए. नए साल की शुरुआत में ही अगर आप सेहत से जुड़ी जरूरी जांच करवा लेंगे, तो सालभर आपको हेल्थ की टेंशन नहीं रहेगी और चैन से आपका वक्त गुजरेगा.

ब्लड प्रेशर और शुगर टेस्ट

हाई ब्लड प्रेशर और डायबिटीज से दुनिया में सबसे ज्यादा लोग जूझ रहे हैं. भारत में करीब 10 करोड़ लोगों को डायबिटीज है और 22 करोड़ लोग हाई ब्लड प्रेशर के मरीज बन चुके हैं. देश में करोड़ों लोगों को यह पता ही नहीं है कि वे बीपी और शुगर के मरीज बन चुके हैं. नए साल में ये टेस्ट करवाकर आप हार्ट अटैक, स्ट्रोक और किडनी से जुड़ी समस्याओं के खतरे को काफी हद तक कम कर सकते हैं.

लिपिड प्रोफाइल टेस्ट

इस टेस्ट को बोलचाल में कोलेस्ट्रॉल टेस्ट भी कहा जाता है. आज के जमाने में तेजी से बदलती लाइफस्टाइल, जंक फूड का ज्यादा सेवन और कम फिजिकल एक्टिविटी से कोलेस्ट्रॉल तेजी से

बढ़ रहा है. कोलेस्ट्रॉल ज्यादा हो जाए, तो हार्ट अटैक और स्ट्रोक की वजह बन सकता है. ऐसे में आपको साल में एक बार लिपिड प्रोफाइल टेस्ट जरूर कराना चाहिए, ताकि हार्ट के मरीज बनने से बचा जा सके.

लिवर फंक्शन टेस्ट

लिवर से जुड़ी बीमारियां भी तेजी से बढ़ रही हैं. शराब का ज्यादा सेवन, फैटी फूड और दवाइयों का ज्यादा इस्तेमाल लिवर को नुकसान पहुंचा रहा है. कई बार लिवर की बीमारी शुरुआती स्टेज में बिना लक्षण के पैदा होती है. ऐसे में नए साल में LFT करवाने से फैटी लिवर, हेपेटाइटिस या लिवर डैमेज का वक्त रहते पता चल सकता है.

किडनी फंक्शन टेस्ट

किडनी हमारे शरीर से टॉक्सिन्स बाहर निकालने का काम करती है. डायबिटीज, हाई बीपी और पेनकिलर्स का ज्यादा सेवन किडनी को धीरे-धीरे कमजोर कर सकता है. ऐसे में किडनी की मॉनिटरिंग करना भी जरूरी है. किडनी की सेहत का पता लगाने के लिए रीनल फंक्शन टेस्ट करवा सकते हैं. इस टेस्ट से क्रिएटिनिन और यूरिया लेवल का पता चलता है, जिससे किडनी की सेहत का सही आकलन हो पाता है.

थायराइड प्रोफाइल टेस्ट

थायराइड की समस्या भी काफी बढ़ रही है. कम उम्र के लोग भी इसका शिकार हो रहे हैं. थायराइड प्रॉब्लम होने पर वजन बढ़ना या घटना, थकान, बाल झड़ना और मूड स्विंग जैसी समस्याएं हो सकती हैं. खासतौर पर महिलाओं में यह समस्या ज्यादा देखी जाती है. नए साल की शुरुआत में थायराइड टेस्ट करवा लेने से हार्मोनल गड़बड़ियों को कंट्रोल में रखा जा सकता है.

आज का राशिफल

मेष : नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। परीक्षा आदि में सफलता मिलेगी। पारिवारिक कष्ट एवं समस्याओं का अंत संभव है। व्यापार–व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। आय से अधिक व्यय न करें। परोपकार में रुचि बढ़ेगी।

वृषभ : शत्रु सक्रिय रहेंगे। कुसंगति से हानि होगी। व्ययवृद्धि होगी। लेन–देन में सावधानी रखें, जोखिम न लें। किसी शुभचिंतक से मेल–मुलाकात का हर्ष होगा। संतान की आजीविका संबंधी समस्या का हल निकलेगा। लापरवाही से काम न करें।

मिथुन : यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। डूबी हुई रकम प्राप्त होगी। आय में वृद्धि होगी। प्रमाद न करें। आकस्मिक लाभ व निकटजनों की प्रगति से मन में प्रसन्नाता रहेगी। परिश्रम से स्वयं के कार्यों में भी शुभ परिणाम आएँगे। क्रोध एवं उत्तेजना पर संयम रखें।

कर्क : कार्यस्थल पर परिवर्तन लाभ में वृद्धि करेगा। योजना फलीभूत होगी। नए अनुबंध होंगे। कष्ट होगा। पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ने से व्यस्तता बढ़ेगी। कार्य में नवीनता के भी योग हैं। संतान के व्यवहार से समाज में सम्मान बढ़ेगा। स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

सिंह : कानूनी अड़चन दूर होगी। अध्यात्म में रुचि रहेगी। यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। रुके धन के लिए प्रयत्न जरूर करें। कार्य का विस्तार होगा। दूसरे के कार्यों में हस्तक्षेप से बचें। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। विलासिता के प्रति रुझान बढ़ेगा।

कन्या : चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें, बाकी सामान्य रहेगा। प्रयास अधिक करने पर भी उचित सफलता मिलने में संदेह है। कार्य में विलंब के भी योग हैं। आर्थिक हानि हो सकती है। पारिवारिक जीवन तनावपूर्ण रहेगा।

तुला : जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। राजकीय बाधा दूर होगी। बेचैनी रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। अर्थ प्राप्ति के योग बनेंगे। विवादों से दूर रहना चाहिए। पिता से व्यापार में सहयोग मिल सकेगा। सरकारी मसले सुलझेंगे। सकारात्मक सोच बनेगी।

वृश्चिक : बेरोजगारी दूर होगी। विवाद न करें। संपत्ति की खरीद–फरोख्त हो सकती है। आय बढ़ेगी। मन में उत्साहपूर्ण विचारों के कारण समय सुखद व्यतीत होगा। मकान व जमीन संबंधी कार्य बनेंगे। अनायास धन लाभ के योग हैं। व्यापार में वांछित उन्नति होगी।

धनु : रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी बड़े कार्यक्रम का हिस्सा बनेंगे। प्रसन्नता बनी रहेगी। नए कार्यों से जुड़ने का योग बनेगा। पारिवारिक जीवन सुखद नहीं रहेगा। पूजा–पाठ में मन लगेगा। इच्छित लाभ होगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा हो सकती है।

मकर : बुरी खबर मिल सकती है। विवाद को बढ़ावा न दें। भागदौड़ रहेगी। आय में कमी होगी। किसी कार्य में प्रतिस्पर्धात्मक तरीके से जुड़ने की प्रवृत्ति आपके लिए शुभ रहेगी। राज्यपक्ष से लाभ होगा। अपने काम से काम रखें। दांपत्य सुख प्राप्त होगा।

कुंभ : मेहनत का फल पूरा–पूरा मिलेगा। मान–सम्मान मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। दूर रहने वाले व्यक्तियों से संपर्क के कारण लाभ हो सकता है। नई योजनाओं का सूत्रपात होने के योग हैं। कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। व्यर्थ संदेह न करें।

मीन : मेहमानों का आवागमन होगा। व्यय होगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। अपने प्रयासों से उन्नति पथ प्रशस्त करेंगे। बुद्धि चातुर्य से कठिन कार्य भी आसानी से बनेंगे। व्यापार अच्छा चलेगा। व्यर्थ समय नष्ट न करें। रुका पैसा मिलेगा।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

सर्दी में साइनस के इंफेक्शन क्यों बढ़ जाते हैं?

सर्दी का मौसम तेज है, हर कोई सर्दी, बुखार, सिरदर्द, गले में दर्द जैसी परेशानियों से जूझ रहा है. हर दिन इन बीमारियों के मामले बढ़ रहे हैं और लोग अस्पताल भी जा रहे हैं. ये लक्षण आमतौर पर सर्दी–जुकाम जैसे लगते हैं, लेकिन ये सिर्फ सर्दी नहीं, बल्कि साइनस या साइनुसाइटिस भी हो सकता है. अब सवाल है कि आखिर साइनस क्या है? क्या हैं इस परेशानी के लक्षण? सर्दियों में क्यो बढ़ जाती है साइनस की समस्या? कैसे करें इससे बचाव? आइए जानते हैं इस बारे में–

साइनस क्या है?

सर्दी के मौसम में ये समस्या ज्यादा होती है. साइनस मतलब नाक के आसपास की हवा से भरी जगहों में सूजन या इंफेक्शन. ये वायरस, बैक्टीरिया, फंगस या एलर्जी की वजह से होता है. इससे नाक बंद होना, चेहरे में दर्द, सिरदर्द जैसे लक्षण दिखते हैं. ये एक दिन में ठीक होने वाली समस्या नहीं है. जब ये होता है तो सिर भारी लगता है, नींद नहीं आती, चलना-फिरना भी मुश्किल हो जाता है और बहुत चिड़चिड़ापन महसूस होता है.

ये साइनस आमतौर पर सर्दी या एलर्जी वाले मौसम में ज्यादा होते हैं. सर्दी में ठंडी और सूखी हवा नाक के अंदर की परत को सुखा देती है और उसकी नेचुरल सुरक्षा कमजोर हो जाती है. बढ़ता प्रदूषण, धुएं का ज्यादा संपर्क और वायरल इंफेक्शन भी इसकी वजह बनते हैं. स्टडीज के मुताबिक हर साल करीब 10-15% वयस्क साइनुसाइटिस से परेशान होते हैं.

सर्दी और सूखी हवा नाक के अंदर की परत को सुखा देती है, जिससे धूल, एलर्जन और बैक्टीरिया को रोकने की ताकत कम हो जाती है. साथ ही, बढ़ता प्रदूषण हालात और खराब कर देता है. इसलिए खासकर अस्थमा, एलर्जी या साइनस की समस्या वाले लोग जल्दी इंफेक्शन का शिकार हो जाते हैं.

आम सर्दी साइनुसाइटिस में कैसे बदलती है?

साइनुसाइटिस आमतौर पर वायरल सर्दी से शुरू होता है, लेकिन बाद में जब नाक की नली सूज जाती है और बलगम ठीक से नहीं निकलता, तो बैक्टीरिया या वायरस साइनस में चले जाते हैं और इंफेक्शन हो जाता है. सही इलाज न मिले तो साइनुसाइटिस बढ़ सकता है या लंबे समय तक परेशान कर सकता है. ये रोजमर्रा की जिंदगी पर भी असर डालता है. बार-बार साइनस इंफेक्शन नींद खराब कर सकते हैं और इम्यूनिटी भी कमजोर कर सकते हैं.

साइनुसाइटिस का इलाज और बचाव

धूम्रपान करने वाले, बच्चे, बुजुर्ग और जिनको पहले से सांस की दिक्कत है, उन्हें ज्यादा खतरा होता है. इसलिए इलाज और बचाव जरूरी है. साइनस होने पर ज्यादातर लोग दवा लेते हैं, लेकिन दवा सिर्फ थोड़ी देर के लिए राहत देती है. साइनुसाइटिस में आपको ज्यादा पानी पीना चाहिए, भाप लेनी चाहिए, नेजल स्प्रे का इस्तेमाल करें और सबसे जरूरी ठंडी हवा से बचें, साथ ही प्रदूषित माहौल से भी दूर रहें. घर के अंदर हवा की क्वालिटी बनाए रखने के लिए जरूरत हो तो ह्यूमिडिफायर का इस्तेमाल करें. ज्यादा प्रदूषण वाले दिनों में मास्क पहनें और डॉक्टर से सलाह जरूर लें.

बस पैर से ही दूर हो सकती हैं कई बीमारियां

हमारे पैरों में 7,000 से ज्यादा नर्व एंडिंग्स होती हैं, जिनका काम शरीर से जुड़े सिग्नल्स को न्यूरॉन्स के जरिए दिमाग तक पहुंचाना होता है. लंबे समय तक टाइट जूते पहनने से ये नर्व्स दब जाती हैं. नंगे पैर चलने पर दिमाग को बेहतर सेंसरी फीडबैक मिलता है, जिससे शरीर का संतुलन, तालमेल और चलने-बैठने की क्षमता सुधरती है. इससे नर्वस सिस्टम ज्यादा अलर्ट और संतुलित रहता है. यही कारण है कि फिजियोथेरेपी और न्यूरोमस्क्युलर ट्रेनिंग में नंगे पैर चलने की सलाह दी जाती है.

लंबे समय तक जूते पहने रहने से पैरों और एड़ी की मांसपेशियां जकड़ जाती हैं. नंगे पांव चलने से तलवे मजबूत होते हैं और एड़ी व टखने का संतुलन बेहतर होता है. इससे कमजोर पैरों को मजबूती मिलती है और कई मामलों में घुटनों के दर्द में भी राहत देखी गई है.

अगर आप टाइल्स या फर्श की जगह मिट्टी, घास या रेत पर नंगे पांव चलते हैं, तो इसके फायदे और बढ़ जाते हैं. इसे ग्राउंडिंग या अर्थिंग कहा जाता है. इससे पैरासिम्पेथेटिक नर्वस सिस्टम एक्टिव होता है, जो तनाव कम करने में मदद करता है. कई लोगों को इससे मानसिक शांति मिलती है, मूड बेहतर होता है और नींद की गुणवत्ता भी सुधरती है.

सर्दियों में नंगे पांव चलना और भी ज्यादा फायदेमंद माना जाता है. ठंडी सतह पर कुछ देर चलने से ब्लड वेसल्स को ट्रेनिंग मिलती है कि कब सिकुड़ना है और कब फैलना है. इससे पैरों और उंगलियों तक रक्त संचार बेहतर होता है और धीरे-धीरे ठंड सहने की क्षमता भी बढ़ती है.

ठंड के मौसम में शरीर के जोड़ अकड़ जाते हैं और मांसपेशियां टाइट हो जाती हैं, जिससे सर्कुलेशन धीमा पड़ जाता है. घर के अंदर ही नंगे पांव चलने से पैरों के छोटे-छोटे जॉइंट्स एक्टिव रहते हैं और नैचुरल मूवमेंट बनी रहती है. पूरे दिन मोटे मोजे और जूते पहनने से जो पैरों में सुस्ती आ जाती है, उससे भी राहत मिलती है.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

प्राइमरी स्कूल के बच्चों की 2 कुंतल किताबें 11 रुपए किलो कबाड़ी को बेच दी, मचा हड़कंप

लखनऊ. राजधानी लखनऊ में मोहनलालगंज के नेवाजखेड़ा प्राइमरी स्कूल से एक कबाड़ी के डेलिया में किताबें लेकर जाते हुए वीडियो वायरल हुआ। वीडियो में कबाड़ी स्कूल के भीतर से किताबें लेकर बाहर निकलते हुए दिख रहा है। स्कूल के बाहर मौजूद गांव के कुछ बच्चों ने कबाड़ी को रोका और बोरी खोली। जिसमें कक्षा एक से पांचवी के बच्चों को पढ़ाई जाने वाली किताबें थी। बीएसए ने वायरल वीडियो का संज्ञान लेकर मोहनलालगंज बीईओ को जांच के आदेश दिए हैं। इसके बाद एबीएसए की जांच-पड़ताल में पता चला कि बच्चों को दी जाने वाली 200 किलो किताबें₹ 11 किलो में बेची गई थी। काबाड़ी का बयान दर्ज कर लिया गया है।

लापता हुई जान से प्यारी बिल्ली, ढूंढने वाले को मिलेगा 10 हजार का इनाम

देवरिया. यूपी के देवरिया से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां एक शख्स की सफेद रंग की बिल्ली गायब हो गई है। युवक ने उसे ढूंढने के लिए पुलिस की मदद के लिए ऑनलाइन केस दर्ज कराया है। साथ ही बिल्ली को ढूंढने वाले को 10 हजार का इनाम और अन्य गिफ्ट देने की घोषणा की है। इसके अलावा परिवार ने लापता बिल्ली का पोस्टर शहर में चस्पा किया है। मामला न्यू कॉलोनी का है। यहां रहने वाले यूसुफ चिश्ती पांच साल से एक सफेद रंग की बिल्ली पाल रखे थे। वह अधिकांश समय बिल्ली के साथ ही बिताते थे। लेकिन बीते 20 दिसंबर को वह किसी काम से बाहर गए हुए थे लेकिन जब वह घर पहुंचे तो उनकी बिल्ली नहीं मिली। इसके बाद यूसुफ चिश्ती का पूरा परिवार बिल्ली की तलाश में जुट गया। लेकिन उसका पता नहीं चल सका। इसके बाद सूसुफ ने पुलिस से मदद के लिए ऑनलाइन केस दर्ज कराया।

बिस्तर पर मिली पति की अर्द्धनग्न लाश

प्रयागराज. प्रयागराज के बहरिया थानाक्षेत्र के चकमोहामिद उर्फ महपूरा में संदिग्ध हालात में घर के अंदर एक युवक की मौत हो गई। कमरे के अंदर बिस्तर पर अर्द्धनग्न अवस्था में उसका शव मिला। मृतक के पिता ने बहू पर जहर देकर हत्या करने का आरोप लगाया है। सूत्रों के मुताबिक पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में जहरीले पदार्थ से मौत की पुष्टि हुई हैं। हालांकि, पुलिस ने विसरा प्रिजर्व कर जांच के लिए लैब में भेजा है। पुलिस का कहना है कि जांच कर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। चकमोहामिद उर्फ महपूरा निवासी राममूरत शुक्ला के इकलौते बेटे 28 वर्षीय मनीष शुक्ला की लगभग दो साल पहले प्रतापगढ़ के मानधाता की युवती से शादी हुई थी। आरोप है कि मनीष की पत्नी एक साल से मारपीट और झगड़ा करती आ रही है। दो दिन पहले भी कहासुनी के बाद उसने मनीष पर जलती लकड़ी फेंक दी थी, लेकिन वह किसी तरह बच गया था।

सोशल मीडिया पर स्टेटस को लेकर 11वीं के छात्र की हत्या, 5 नाबालिग गिरफ्तार

गोरखपुर. यूपी के गोरखपुर में पिपराइच थाना क्षेत्र स्थित कोऑपरेटिव इंटर कॉलेज के खेल मैदान में 26 दिसंबर को दिनदहाड़े हुई 11वीं के छात्र सुधीर उर्फ भोला की गोली मारकर की गई हत्या में शामिल नाबालिग समेत पांच बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में पता चला कि सोशल मीडिया पर स्टेटस और उसमें मां की गाली देने को लेकर हत्या की साजिश रची गई थी। पड़ोसी बाल अपचारी ने तमंचा और हिस्ट्रीशीटर पवन राजभार ने पिस्टल उपलब्ध कराई गई थी। घटना में शामिल हिस्ट्रीशीटर समेत दो की तलाश में पुलिस टीम लगी है।

अमित शाह ने संभाली बंगाल की कमान

- नाराज चल रहे दिलीप घोष को बुलाकर की बात

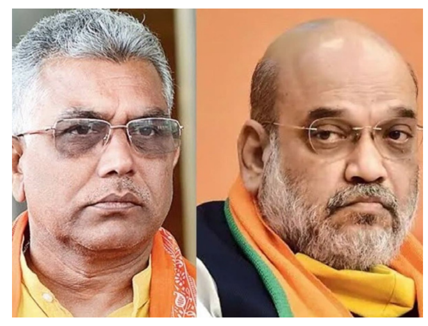

कोलकाता. पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में अभी कुछ महीनों का वक्त बाकी है, लेकिन भाजपा अभी से ऐक्टिव हो गई है। यहां तक कि ज्यादातर बड़े राज्यों में चुनाव की कमान संभालने वाले होम मिनिस्टर अमित शाह ने खुद यहां संभाल लिया है। 2021 में 2 मई को बंगाल चुनाव के नतीजे आए थे और इस बार भी अप्रैल में ही मतदान कराए जा सकते हैं। इस बीच बुधवार को अमित शाह ने कोलकाता में तमाम भाजपा नेताओं के साथ बैठक की। यह मीटिंग कोलकाता के साल्ट लेक होटल में हुई। इसमें नेता विपक्ष शुभेंदु अधिकारी और प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य मौजूद थे। इसके अलावा तमाम दिग्गज नेताओं की मौजूदगी रही।

इस मीटिंग में दिलीप घोष की मौजदूगी ने सभी को चौंकाया। उनसे खुद अमित शाह ने मुलाकात की और कई मुद्दों पर बात की है। उनकी मौजूदगी इसलिए चर्चाएं बटोर रही है क्योंकि कुछ समय पहले तक ऐसी चर्चाएं रही हैं कि वह भाजपा से नाराज चल रहे हैं। वह ममता बनर्जी के साथ एक कार्यक्रम में भी नजर आए थे, जब सीएम भगवान जन्नाथ के एक मंदिर का लोकार्पण करने पहुंची थीं। चर्चा यहां तक थी कि वह टीएमसी में जा सकते हैं। लेकिन अब चीजें बदल गई हैं। भाजपा की कोशिश है कि दिलीप घोष को साध लिया जाए। 2026 के विधानसभा चुनाव में उन्हें अहम भूमिका देकर फ्रंट पर लाया जा सकता है।

इस बैठक में बंगाल के सभी पार्टी सांसदों, विधायकों को बुलाया गया था। यही नहीं कई नगर निगमों के नेता भी मौके पर थे। संगठन के भी कुछ प्रभावशाली लोगों को इसका न्योता दिया गया था। सूत्रों का कहना है कि इस मीटिंग में ज्यादातर उन नेताओं को ही बुलाया गया, जिन्हें विधानसभा इलेक्शन का टिकट मिल सकता है। इसके अलावा कुछ ऐसे सीनियर नेता भी बुलाए गए, जिन्हें चुनाव में प्रचार की जिम्मेदारी मिल सकती है। दरअसल दिलीप घोष का यहां पहुंचना कई नेताओं को हैरान करने वाला रहा। उन्हें बंगाल भाजपा के सबसे कामयाब प्रदेश अध्यक्षों में शुमार किया जाता है।

दिलीप घोष क्यों कहे जाते हैं बंगाल भाजपा के सबसे कामयाब अध्यक्ष

उनके ही दौर में 2019 में भाजपा को 18 सांसद मिले थे, जबकि 2014 में यह संख्या सिर्फ 3 की ही थी। फिर 2021 के विधानसभा चुनाव में भाजपा की असेंबली सीटों की संख्या 70 तक पहुंच गई। ऐसे में उनकी मौजूदगी को एक संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। अमित शाह ने साफ संकेत दिया कि वह भाजपा में एकजुटता चाहते हैं और ऐसे सभी नेताओं को एक मंच पर लाना चाहते हैं, जो पार्टी में एक बड़ा कद रखते हैं।

180 की स्पीड से दौड़ी ट्रेन, ग्लास का पानी नहीं छलका

कोटा. कोटा में वंदे भारत स्लीपर ट्रेन 180 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से दौड़ी। लोको पायलट ने 4 ग्लास में पानी रखा, इतनी रफ्तार के दौरान भी ग्लास में से पानी नहीं छलका। पश्चिम-मध्य रेलवे के कोटा मंडल में स्वदेशी तकनीक से बनी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन (वर्जन-2) का फाइनल हाई स्पीड ट्रायल मंगलवार को सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

ट्रायल के दौरान 16 कोच की यह नई पीढ़ी की ट्रेन 180 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से कोटा-नागदा रेलवे ट्रैक पर दौड़ी। ट्रायल के दौरान स्पीड, सेफ्टी और राइड क्वालिटी की विस्तृत जांच की गई। अब ये रेक यात्रियों के सफर के लिए उपलब्ध हो सकेगी।

क्या आपका जॉब खतरे में है?

Microsoft ने जारी की 40 ऐसी नौकरियों की लिस्ट जिसे AI साल 2026 में खत्म कर देगा

आजकल हर जगह AI (Artificial Intelligence) की चर्चा हो रही है। मोबाइल फोन से लेकर ऑफिस तक, AI हमारी जिंदगी का हिस्सा बनता जा रहा है। इसी बीच Microsoft की एक नई रिपोर्ट सामने आई है, जिसने नौकरी करने वालों की चिंता थोड़ी बढ़ा दी है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि 2026 तक करीब 40 तरह की नौकरियों के कई काम AI कर सकता है। इसका मतलब यह नहीं है कि आपकी नौकरी कल ही चली जाएगी, लेकिन यह जरूर है कि काम करने का तरीका बदलने वाला है। Microsoft ने साफ कहा है कि AI उन कामों को आसानी से कर सकता है जो रोज-रोज एक जैसे होते हैं, जैसे डेटा देखना, रिपोर्ट बनाना, ई-मेल लिखना या ग्राहक के सवालों के जवाब देना।

यह रिपोर्ट इसलिए भी जरूरी है क्योंकि आज लाखों लोग ऐसे काम कर रहे हैं जिनमें कंप्यूटर और इंटरनेट का ज्यादा इस्तेमाल होता है। ऐसे में सवाल उठता है क्या AI

इंसान की जगह ले लेगा? और क्या हमारी नौकरी खतरे में है?

AI आखिर है क्या और इतना चर्चा में क्यों है?

AI यानी Artificial Intelligence, मतलब ऐसी मशीन या सॉफ्टवेयर जो इंसानों की तरह सोच-समझ कर काम कर सके। आज AI ई-मेल लिख रहा है, फोटो बना रहा है, सवालों के जवाब दे रहा है और यहां तक कि कोड भी लिख रहा है। Microsoft ने देखा कि अब AI सिर्फ मदद नहीं कर रहा, बल्कि कई जगह खुद पूरा काम करने लगा है। इसी आधार पर उन्होंने यह रिपोर्ट तैयार की।

कौन-सी नौकरियां ज्यादा असर में हैं?

रिपोर्ट के मुताबिक इन क्षेत्रों के पेशेवरों को सबसे अधिक सजग रहने की आवश्यकता है। Translators, Editors, Journalists, Customer Support Specialists, Data Analysts और Web Developers जैसे कार्य पहले ही AI-टूल्स के साथ मिलकर कार्य कर रहे हैं, और यह रुझान आगे भी बढ़ेगा।

Microsoft की रिपोर्ट क्या कहती है?

2026 तक 40 तरह की नौकरियों के काम ऐसे हैं जो AI आसानी से कर सकता है। ध्यान देने वाली बात यह है किः नौकरी खत्म होना जरूरी नहीं है, लेकिन काम का तरीका जरूर बदलेगा। AI उन कामों में ज्यादा तेज है जहांः लिखना-पढ़ना होता है, डेटा देखना होता है, एक जैसा काम बार-बार करना होता है।

दिल्ली ED को मिला करोड़ों कैश, सोने-हीरे से भरा सूटकेस

नई दिल्ली. दिल्ली में प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने एक बड़ी कार्रवाई के तहत छापेमारी के दौरान करोड़ों रुपये कैश, सोने-हीरे के गहने और प्रॉपर्टी के दस्तावेज बरामद किए गए हैं। लोन उगाही से जुड़े केस के आरोपी इंद्रजीत सिंह यादव और उसके सहयोगियों के खिलाफ 30 दिसंबर को शुरू की गई छापेमारी के दौरान ईडी के हाथ 'काला खजाना' लगा। बुधवार को खबर लिखे जाने तक छापेमारी की कार्रवाई जारी थी।

दिल्ली के सर्वप्रिय विहार में जब ईडी की टीम इंद्रजीत के एक सहयोगी अमन कुमार के घर पहुंची तो वहां मौजूद, कैश-सोने आदि को देखकर हैरान रह गई। ईडी ने कुल 5.12 करोड़ रुपये कैश जब्त किया। सोने और हीरे से भरा हुआ एक सूटकेस भी बरामद किया गया। इनका अनुमानित मूल्य 8.80 करोड़ रुपये है। एक बैग भरकर चेक बुक और 35 करोड़ रुपये मूल्य के प्रॉपर्टी के दस्तावेज भी मिले हैं। अधिकारियों ने बताया कि छापेमारी अभी जारी है और आंकड़ा बढ़ सकता है।

इंद्रजीत सिंह के खिलाफ क्या केस

ईडी ने इंद्रजीत सिंह यादव, उसके सहयोगियों और अपोलो ग्रीन एनर्जी लिमिटेड नाम की एक कंपनी के खिलाफ पीएमएलए का केस दर्ज किया था।

इंद्रजीत सिंह यादव पर अवैध उगाही, निजी फाइनेंसरों के साथ जबरन ऋण वसूली, हथियारों के जरिए डराने-धमकाने और इन अवैध गतिविधियों से कमीशन अर्जित करने का आरोपी है। हरियाणा से यूपी तक इंद्रजीत के खिलाफ करीब 15 एफआईआर दर्ज हैं। ईडी ने इन्हीं के आधार पर उसके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ी जांच शुरू की थी।

नोट गिनने के लिए मशीनों के साथ बुलाए गए बैंक अधिकारी

ईडी की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक सर्वप्रिय विहार में इंद्रजीत सिंह के सहयोगी अमन कुमार के घर से अब तक 5.12 करोड़ रुपये कैश मिल चुका है। बैंक अधिकारियों को नोट गिनने वाली मशीनों के साथ बुलाया गया था और गिनती कराई गई है। सूटकेस में सोने और हीरे के गहने भरे हुए थे। चेक बुक और करीब 35 करोड़ रुपये मूल्य के प्रॉपर्टी के दस्तावेजों की जांच भी की जा रही है।

चलती कार में महिला से घंटों हैवानियत

- खून से हो गई थी लथपथ
- दबोचे गए फरीदाबाद के दरिंदे

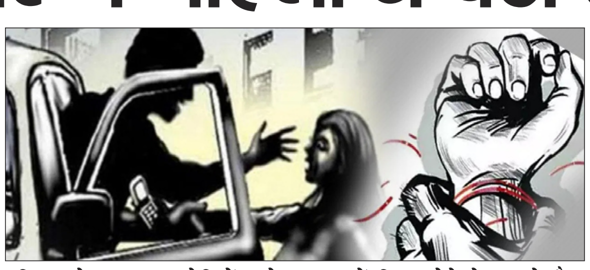

फरीदाबाद. फरीदाबाद में करीब तीन घंटे तक सड़क पर दरिंदे चलती कार में हैवानियत करते रहे। मारपीट और गैंगरेप के बाद चलती कार से नीचे फेंकी गई पीड़िता खून से लथपथ, फटे कपड़ों और बदहवासी में मिली। हैरानी की बात यह है कि सुरक्षा के तामाम इंतजाम और दावे सड़क पर हुई इस जघन्य वारदात को रोकने में नाकाफी साबित हुए। हैवानों ने जब तक चाहा अपनी मनमर्जी करते रहे। पुलिस ने अब आरोपियों को गिरफ्तार करके कार बरामद कर ली है।

पुलिस के मुताबिक महिला तीन बच्चों की मां है और उसका पति से झगड़ा चल रहा है। इस वजह से वह अपनी मां के घर पर रह रही थी। मंगलवार शाम मां से कहासुनी होने के बाद अपने घर से निकल गई थी और दरिदों के हाथ लग गई। दो युवकों ने उसे अपनी कार में लिफ्ट देने के बहाने बैठा लिया और फिर हवस मिटाई। उन्होंने महिला को ढाई से तीन घंटे तक वैन में बंधक बनाकर रखा।

- सुबह 3 बजे चलती कार से फेंका

सुबह करीब तीन बजे आरोपियों ने एसजीएम नगर के राजा चौक स्थित मुल्ला होटल के पास चलती वैन से उसे नीचे फेंक दिया। सड़क पर गिरने से महिला के चेहरे पर गंभीर चोटें आईं और खून बहने लगा। बहन को फोन कर जानकारी दी मिली जानकारी के मुताबिक सुबह करीब 3:30 बजे पीड़िता ने अपनी बहन को लगातार फोन किए। संपर्क होने पर पूरी घटना की जानकारी मिली।

बहन मौके पर पहुंची तो पीड़िता खून से लथपथ, फटे कपड़ों में बदहवास हालत में मिली। उसे तुरंत सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए दिल्ली रेफर किया गया। हालांकि, परिजनों ने फरीदाबाद के निजी अस्पताल में भर्ती कराकर इलाज शुरू कराया।

तमिलनाडु में पुलिसकर्मी पर चाकू से हमला

तमिलनाडु के तिरुप्पुर जिले में एक युवक ने पुलिसकर्मी पर चाकू से हमला कर दिया। मौके पर मौजूद लोगों ने घटना का वीडियो बनाया, जो बुधवार को सामने आया। तिरुप्पुर में स्वर्गवासा पर्व के दौरान भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिसफोर्स तैनात थी।

आरोपी युवक नशे में था। उसने पुलिसकर्मियों के साथ बहस करते हुए अचानक चाकू निकाल लिया। युवक ने वहां पर मौजूद पुलिसकर्मी पर हमला करने की कोशिश की। पुलिसकर्मी ने अपनी बेल्ट से खुद का बचाव किया।

आरोपी युवक हाथ में चाकू लेकर पुलिसकर्मी और वहां पर मौजूद लोगों को धमकाने लगा। युवक ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी रामकृष्णन से बहस करने लगा।

150 किलो विस्फोटक से लदी कार पकड़ी

- मकसद की पड़ताल

टोंक. राजस्थान में नए साल पर अलर्ट पुलिस ने भारी मात्रा में विस्फोटक से लदी एक कार को बरामद किया है। राजस्थान के टोंक में पकड़ी गई कार में 150 किलो अमोनियम नाइट्रेट था, जिसे यूरिया के कट्टों में छिपा कर रखा गया था। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आखिर इन विस्फोटकों को किस मकसद से और कहां ले जाया जा रहा था।

टोंक के डीएसपी मृत्युंजय मिश्रा ने बताया कि मारुति सियाज गाड़ी बूंदी से रवाना हुई और टोंक जा रही थी। सूचना आधार पर बरौनी थाना क्षेत्र में नाकाबंदी कर इस कार को रोका गया। जांच में इसके अंदर भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद हुआ है। यह विस्फोटक 150 किलो अमोनियम नाइट्रेड था, जो यूरिया के कट्टों में छिपाकर रखा गया था। इसके साथ 200 डेंजर एक्सप्लोसिव कार्टेज और सेफ्टी फ्यूज वायर के 6 बंडल (कुल करीब 1100 मीटर) बरामद किए गए। पुलिस ने विस्फोटक ले जा रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

आरोपियों की पहचान सुरेंद्र (48) पुत्र भंवरलाल, और सुरेंद्र मोची (33) पुत्र दुलीलाल के रूप में हुई है। दोनों करवर बूंदी के रहने वाले हैं। पुलिस आरोपियों से विस्फोटक सामग्री की सप्लाई और इसके उपयोग को लेकर गहन पूछताछ कर रही है। पुलिस पता लगा रही है कि ये लोग विस्फोटक कहां से लाए थे और किसके पास ले जा रहे थे। पुलिस की जांच मुख्य रूप से इस बात पर केंद्रित है कि विस्फोटक किस मकसद से कहां ले जाया जा रहा था।

टेस्ट रैंकिंग में बुमराह टॉप पर नंबर-2 पर आए स्टार्क

- बैटर्स में हैरी ब्रूक को 3 स्थान का फायदा
- वनडे में टॉप-2 पर रोहित-कोहली

बुधवार को जारी ICC रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के पेसर्स को फायदा मिला है। मेलबर्न में खेले गए चौथे एशेज टेस्ट में शानदार प्रदर्शन के दम पर ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं।

स्टार्क के खाते में अब 843 रेटिंग पॉइंट्स हैं। वे नंबर-1 पर काबिज भारतीय पेसर जसप्रीत बुमराह (879 अंक) से 36 पॉइंट पीछे हैं। मेलबर्न टेस्ट में कुल 36 विकेट गिरे, जिनमें से 35 विकेट तेज गेंदबाजों ने झटके। इसी वजह से ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के पेसर्स को रैंकिंग में बड़ा फायदा मिला।

हालांकि, स्टार्क के लिए फिलहाल शीर्ष स्थान तक पहुंचना आसान नहीं होगा, क्योंकि ऑस्ट्रेलियाई टीम को आने वाले समय में लंबे अंतराल तक कोई टेस्ट मैच नहीं खेलना है।

जोश टंग को 13 स्थान का फायदा

जोश टंग ने (5/45 और 2/44) मेलबर्न टेस्ट में कुल 7 विकेट झटके। उन्हें बॉलिंग रैंकिंग में 13 स्थान का फायदा हुआ। वे 573 रेटिंग अंकों के साथ 30वें नंबर पर पहुंच गए। इस मैच में इंग्लैंड को इस दौरे पर पहली जीत मिली। गस एटकिंसन ने नई गेंद से ट्रैविस हेड का अहम विकेट लिया। उन्होंने कुल तीन विकेट लिए और चार स्थान की छलांग लगाकर 698 अंकों के साथ संयुक्त रूप से 13वें स्थान पर पहुंच गए।

स्कॉट बोलैंड 2 स्थान की छलांग लगाकर 810 रेटिंग अंकों के साथ 7वें स्थान पर पहुंच गए। जोकि उनके करियर का बेस्ट स्थान है। ब्राइडन कार्स के 5 विकेट उन्हें बॉलर्स में छह पायदान ऊपर ले गए। वे 638 अंकों के साथ 23वें स्थान पर आ गए। उन्हें ऑलराउंडर रैंकिंग में भी फायदा मिला। कार्स 8वें स्थान (238 अंक) पर हैं।

सुरंग में टकराई दो लोको ट्रेनें, 70 घायल

- THDC विद्युत परियोजना का काम चल रहा था
- बिहार-झारखंड के मजदूर शामिल

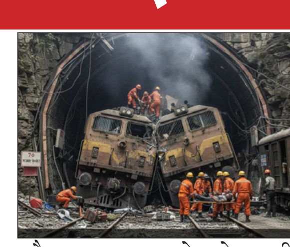

चमोली. चमोली जिले के पीपलकोटी स्थित THDC जल विद्युत परियोजना क्षेत्र में बनी सुरंग के अंदर मंगलवार रात करीब 9 बजे दो लोको ट्रेनें आपस में टकरा गईं, जिसमें 70 मजदूर घायल हो गए हैं। जिनमें से 5 की हालत गंभीर बनी हुई है।

दुर्घटना के समय ट्राली में करीब 110 इंजीनियर, कर्मचारी और मजदूर सवार थे, जो अपनी शिफ्ट पूरी कर वापस लौट रहे थे। हादसे में घायल हुए लोगों में से 70 को जिला अस्पताल गोपेश्वर और 17 को विवेकानंद अस्पताल पीपलकोटी में भर्ती कराया गया है। 66 घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है।

चार श्रमिकों को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। पीपलकोटी के विवेकानंद चिकित्सालय में 18 श्रमिकों का प्राथमिक उपचार कर उन्हें घर भेज दिया गया। 21 श्रमिकों को कोई चोट नहीं आई थी और वे घटना स्थल से ही घर चले गए थे।

घायलों में अधिकतर मजदूर बिहार, ओडिशा और झारखंड के रहने वाले हैं। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई, जिसके बाद अन्य कर्मचारियों की मदद से सभी घायलों को बाहर निकाला गया और अस्पताल पहुंचाया गया।

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने ली जानकारी

घटना की सूचना मिलते ही सीएम पुष्कर सिंह धामी ने जिलाधिकारी चमोली से फोन पर बात कर पूरे मामले की जानकारी ली। सीएम ने निर्देश दिए कि सभी घायलों को बेहतर चिकित्सीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें उच्च चिकित्सालयों में रेफर किया जाए। मौके पर पहुंचे डीएम सौरभ कुमार के अनुसार हादसा शिफ्ट चेंज के दौरान हुआ है, गंभीर रूप से घायल हुए लोगों के हाथ-पैर में फ्रैक्चर आया है। इस घटना का भारतीय रेलवे से कोई सम्बन्ध नहीं है।

इंडिगो पर 458 करोड़ से ज्यादा का GST जुर्माना

- एयरलाइन बोली-आदेश को चुनौती देंगे
- वित्त वर्ष 2018-19 से 2022-23 की असेसमेंट से जुड़ा मामला

नई दिल्ली. देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो पर दिल्ली साउथ कमिश्नरेट के CGST के अतिरिक्त आयुक्त ने 458 करोड़ से ज्यादा का जुर्माना लगाया है। कंपनी ने मंगलवार को बताया कि यह जुर्माना केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (CGST) अधिनियम, 2017 की धारा 74 के तहत वित्त वर्ष 2018-19 से 2022-23 की असेसमेंट से जुड़ा है।

एयरलाइन के मुताबिक, कुल GST मांग ₹458,26,16,980 है। कंपनी ने बताया कि GST विभाग ने विदेशी सप्लायर से मिली क्षतिपूर्ति (कंपनसेशन) पर टैक्स मांग, ब्याज और जुर्माना लगाया है, साथ ही इनपुट टैक्स क्रेडिट को भी खारिज किया गया है।

कंपनी ने बाहरी टैक्स सलाहकारों की राय के आधार पर इस जुर्माने को गलत बताया। इंडिगो का कहना है कि यह आदेश कानून के खिलाफ है और वह इसे कोर्ट में चुनौती देगी। कंपनी के मुताबिक, इस आदेश का उसके वित्तीय नतीजों, संचालन या अन्य गतिविधियों पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ेगा।

30 मार्च : इनकम टैक्स ने 944.20 करोड़ का जुर्माना लगाया

यह पहली बार नहीं है जब इंडिगो पर GST से जुड़ा टैक्स विवाद सामने आया है। इससे पहले 30 मार्च को इनकम टैक्स ने कंपनी को ₹944.20 करोड़ का पेनाल्टी ऑर्डर भेजा था। कंपनी ने बताया कि 2021-22 असेसमेंट ईयर के लिए इनकम टैक्स एक्ट 270A के तहत ये पेनाल्टी लगाई गई थी।

एयरलाइन ने इस आदेश को 'गलत और निराधार' बताया। इंडिगो के मुताबिक, यह पेनल्टी इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की असेसमेंट यूनिट ने लगाई थी। वहीं, अतिरिक्त ₹2.84 करोड़ का जुर्माना चेन्नई के संयुक्त आयुक्त ने लगाया था। यह विवाद 2018 से 2020 तक के फाइनेंशियल रिकॉर्ड में विसंगतियों के चलते इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC) नामंजूर किए जाने से जुड़ा है।

नौकर पति-पत्नी ने घर के मालिक को 5 साल रखा कैद?

- रिटायर कर्मचारी की मौत

महोबा. उत्तर प्रदेश के महोबा में रेलवे से सेवानिवृत एक बुजुर्ग की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होने के बाद परिवारीजनों के आरोपों से हड़कंप मच गया। परिवारीजनों ने नौकर पति-पत्नी ने 5 साल से बुजुर्ग और उनकी बेटी को बंधक बनाए रखने के आरोप लगाए हैं। बुजुर्ग की मौत के बाद घर में उनकी बेटी भी अत्यंत बुरे हाल में पाई गई है। लोगों का कहना है कि मानसिक रूप से कमजोर बेटी की भी हालत कंकाल जैसी हो गई थी। कई मीडिया रिपोर्ट्स में नौकर पति-पत्नी पर संपत्ति के लालच में बुजुर्ग और उनकी बेटी को तिल-तिल मरने पर मजबूर करने की बात आई है। हालांकि पुलिस ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि ऐसा संभव नहीं लग रहा है। फिर भी पूरे मामले की जांच कराई जा रही है।

महोबा के हिंद टायर वाली गली में रहने वाले 70 वर्षीय रेलवे से सेवानिवृत सीनियर क्लर्क ओमप्रकाश सिंह राठौर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक के भाई अमर सिंह ने आरोप लगाते हुए कहा कि 2016 से भाई अलग रह रहा था। उसकी पत्नी की मृत्यु हो गई थी। आरोप है कि चरखारी निवासी एक दंपती नौकर को देखरेख के लिए रखा था।

नौकर दंपति ने पूरे मकान में कब्जा कर लिया और बंधक बना लिया। उपचार के अभाव में भाई की हालत बिगड़ गई और मौत हो गई। कहा कि भतीजी की भी हालत खराब है। वह हड्डियों का ढांचा भर रह गई है। भाई का यह भी कहना जब भी परिवारीजन मिलते जाते थे तो नौकर बहाना बनाकर लौटा देता था। कभी कहता था कि मालिक घर पर नहीं हैं तो कभी वह कहता था कि वह किसी से मिलना नहीं चाहते हैं।

ऑटो ड्राइवर की बेरहमी से सिर कुचल कर हत्या

लखनऊ. उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज के मऊ गांव निवासी ऑटो चालक अलमास सिद्दीकी उर्फ अज्जू की निर्मम हत्या का मामला सामने आया है। सोमवार शाम करीब 7:30 बजे अलमास खुजौली जाने की बात कहकर घर से निकला था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। परिजनों ने काफी तलाश के बाद मंगलवार को कोतवाली मोहनलालगंज पहुंचकर उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई। गुमशुदगी दर्ज होने के लगभग 30 मिनट बाद ही पुलिस को चिबऊ खेड़ा के पास एक अज्ञात युवक का शव खून से लथपथ अवस्था में पड़े होने की सूचना मिली।

संक्षेप...

ट्रैफिक नियमों के बारे में लोगों को किया गया जागरूक

उल्हासनगर. क्रिसमस की खुशी में, उल्हासनगर ट्रैफिक पुलिस ने नागरिकों के लिए एक अनोखी पहल की। सीनियर इंस्पेक्टर राजेश शिरसाठ के मार्गदर्शन में, सांताक्लॉज़ सड़क पर उतरे और हंसी-खुशी और प्यार के माहौल में, उन्होंने सुरक्षित ट्रैफिक का संदेश सीधे लोगों तक पहुंचाने में मदद की।

क्रिसमस के त्योहार के दौरान, सांता क्लॉज़ ने नागरिकों से रंगीन अंदाज़ में बातचीत की। शराब पीकर गाड़ी न चलाने, टू-व्हीलर पर हेलमेट पहनने, फोर-व्हीलर चलाते समय सीट बेल्ट पहनने और स्पीड लिमिट का पालन करने जैसे ज़रूरी संदेश खुशनुमा अंदाज़ में दिए गए।

इस पहल में ट्रैफिक डिपार्टमेंट के अधिकारी अरुण गिरमे, शशिकांत निकाले, जितेंद्र चिते और टीम स्टाफ मौजूद थे।

साल की आखिरी कैबिनेट मीटिंग से दूर रहे DCM शिंदे

BMC चुनाव से पहले फिर महाभारत?

मुंबई. महाराष्ट्र के सत्ताधारी गठबंधन में साल 2025 के आखिरी दिन भी रस्साकशी देखने को मिली है। साल की आखिरी कैबिनेट मीटिंग में डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे नहीं पहुंचे, जो कई मौकों पर अपनी नाराजगी जता चुके हैं। यही कारण है कि उनके ना पहुंचने से एक बार फिर से कयास तेज हैं कि आखिर वह क्यों नहीं आए। उनकी गैरहाजिरी को बीएमसी समेत कई निकाय चुनावों से जोड़कर देखा जा रहा है। कई निकायों में सीट बंटवारे को लेकर भाजपा और एकनाथ शिंदे की शिवसेना के बीच खींचतान देखी जा रही है। ऐसे में उनका ना पहुंचना भाजपा को संकेत देने की कोशिश माना जा रहा है। हालांकि शिवसेना के उदय सामंत ने चर्चाओं को खारिज किया और कहा कि एकनाथ शिंदे बीमार हैं।

भाजपा और एकनाथ शिंदे की शिवसेना के बीच कुल 11 नगर निकायों को लेकर गठबंधन पर सहमति बन गई है और सीट बंटवारा भी हो चुका है। लेकिन 18 स्थानों पर ऐसी सहमति नहीं बन पाई है और दोनों ने अलग रास्ता भी अपना लिया है। स्थानीय स्तर के शिवसेना नेताओं का कहना है कि भाजपा ने जानबूझकर ऐसा किया है। उसने पहले से ही ज्यादातर सीटों पर अपने स्तर पर तैयारी कर ली थी और फिर बातचीत को जानबूझकर लटकाया गया। अंत में गठबंधन तोड़ने की बात कहके अलग रास्ता अपना लिया। इससे भाजपा तो फायदे में रही है क्योंकि उसकी तैयारी पूरी थी, लेकिन शिवसेना को झटका लगा है।

बीमार हैं एकनाथ शिंदे, शिवसेना की सफाई

माना जा रहा है कि इसी नाराजगी को जाहिर करने के लिए एकनाथ शिंदे मीटिंग में नहीं गए। वहीं उदय सामंत ने कहा कि एकनाथ शिंदे की तबीयत ठीक नहीं है और वह अपने ठाणे स्थित घर में हैं। उन्होंने कहा कि मीडिया को उन 11 निकायों की भी बात करनी चाहिए, जहां दोनों के बीच गठबंधन हुआ है और सीट बंटवारा हो चुका है। सामंत ने कहा कि विपक्षी गठबंधन में भी सीट बंटवारे को लेकर खींचतान की स्थिति है। मराठी अस्मिता के नाम पर चुनाव लड़ने वाले दल आपस में उलझे हुए हैं। ज्यादातर सीटों पर उद्धव ठाकरे की सेना अकेले लड़ रही है।

कृपाशंकर के बयान पर भी आपत्ति

कृपाशंकर सिंह के बयान को लेकर भी उदय सामंत ने आपत्ति जताई है। सिंह ने कहा था कि उत्तर भारतीय को मेयर कैंडिडेट घोषित किया जाना चाहिए। इस पर सामंत ने कहा कि कृपाशंकर सिंह के पास ऐसा कोई अधिकार नहीं है कि वे महायुति के फैसलों के बारे में बात करें। ऐसे किसी भी मामले में सीएम देवेंद्र फडणवीस या फिर डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ही फैसला ले सकते हैं।

कल्याण में भाजपा का खाता खुला 3 महिला प्रत्याशी निर्विरोध जीती

कल्याण. कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका चुनाव में भारतीय जनता पार्टी का खाता खुल चुका है। भाजपा की तीन महिला प्रत्याशी निर्विरोध चुनाव जीत चुकी है। कल्याण पूर्व के प्रभाग क्रमांक 18-ए (ओबीसी महिला आरक्षित सीट) से भाजपा की रेखा राजन चौधरी का एकमात्र नामांकन पत्र दाखिल हुआ है। वहीं, डोंबिवली के प्रभाग क्रमांक 26-क से आसावरी केदार नवरे का भी एकमात्र नामांकन दाखिल होने के कारण ये दोनों महिला उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हुई हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने दोनों विजयी प्रत्याशियों को शुभकामनाएं दी है।

दरअसल, कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका (केडीएमसी) चुनाव में भाजपा को मतदान से पहले ही बड़ी राहत मिली है। 31 प्रभागों की कुल 122 सीटों के लिए 30 दिसंबर मंगलवार को नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख थी। इस अवधि में प्रमुख राजनीतिक दलों के साथ-साथ निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी बड़ी संख्या में नामांकन दाखिल किए। हालांकि, कल्याण पूर्व के प्रभाग क्रमांक 18-ए (नागरिकों के पिछड़ा वर्ग – महिला आरक्षित सीट) के लिए भाजपा की महिला जिला अध्यक्ष रेखा राजन चौधरी के अलावा किसी अन्य उम्मीदवार ने नामांकन दाखिल नहीं किया। इसलिए इस सीट पर उनका निर्विरोध निर्वाचन सुनिश्चित हो गया है।

इसी तरह, डोंबिवली पूर्व के प्रभाग क्रमांक 26-क से भाजपा की आसावरी केदार नवरे का भी एकमात्र नामांकन दाखिल हुआ है और वे भी निर्विरोध निर्वाचित हुई हैं। इसके साथ ही, भाजपा की रंजना पेडणेकर डोंबिवली के प्रभाग क्रमांक 26-बी से भी निर्विरोध निर्वाचित हुई हैं। इन तीन निर्विरोध जीतों के कारण भाजपा ने चुनाव से पहले ही केडीएमसी में अपना खाता खोल लिया है। अब तक केडीएमसी में भाजपा की तीन महिला उम्मीदवारों के निर्विरोध निर्वाचन से पार्टी कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह और जश्न का माहौल है।

स्वच्छ सर्वेक्षण के लिए हर स्तर पर नियोजनबद्ध काम ज़रूरी-आयुक्त सौरभ राव

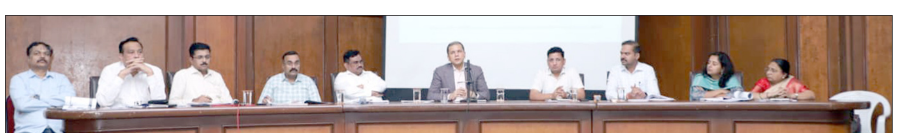

ठाणे. स्वच्छ सर्वेक्षण स्कोरिंग तक सीमित नहीं है बल्कि यह शहर गुणवत्ता लाइफ़ से जुड़ा है। गीला और सूखा कचरा अलग करना, घर से कचरा इकट्ठा करना, पब्लिक सैनिटेशन सिस्टम और वेस्ट प्रोसेसिंग के हर स्टेज पर नियोजनबद्ध काम ज़रूरी है।आयुक्त सौरभ राव ने आज हुई मीटिंग में साफ़ किया कि नोडल अधिकारी अपनी ज़िम्मेदारियों को साफ़ तौर पर पहचानें और उन्हें फ़ील्ड लेवल पर असरदार तरीके से लागू करें। केंद्र सरकार के स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 के लिए वार्ड-वाइज़ टास्क फ़ोर्स बनाई है और इस टास्क फ़ोर्स के मेंबर के तौर पर इंटरनल नोडल अधिकारी अपॉइंट किए गए हैं। इन नोडल अधिकारी के लिए आज मनपा के स्वर्गीय नरेंद्र बल्लाल हॉल में एक ट्रेनिंग प्रोग्राम ऑर्गनाइज़ किया गया।आयुक्त सौरभ राव की अध्यक्षता में आयोजित इस प्रोग्राम में उपायुक्त जी. जी. गोदापुरे, उमेश बिरारी, मधुकर बोडके, दीपक जिंजड़, मिताली संचेती, अनघा कदम,स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रानी शिंदे आदि मौजूद थे।आयुक्त राव ने नोडल अधिकारी के ट्रेनिंग प्रोग्राम में मौजूद लोगों को डिटेल में गाइडेंस दी। शहर की सफ़ाई में क्वालिटी, कंसिस्टेंसी और नागरिकों की भागीदारी के तीन एलिमेंट्स पर जोर देते हुए उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को संबोधित किया।उन्होंने कहा कि स्वच्छ सर्वे 2025 की नई गाइडलाइंस, स्कोरिंग मेथड्स और इवैल्यूएशन क्राइटेरिया को अच्छी तरह समझना बहुत जरूरी है। उन्होंने डेटा कलेक्शन, डॉक्यूमेंटेशन, फोटो और जीपीएस रिकॉर्ड के साथ-साथ ऑनलाइन सिस्टम पर जानकारी को सही और समय पर अपलोड करने पर खास जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि हर एलिमेंट को चेक करके काम किया जाए ताकि कोई भी जानकारी अधूरी न रहे।स्वच्छ सर्वेक्षण का एक महत्वपूर्ण एलिमेंट नागरिकों की एक्टिव भागीदारी है और उन्होंने पब्लिक अवेयरनेस, नागरिकों का फीडबैक, शिकायत निवारण को प्रभावी ढंग से लागू करने का निर्देश दिया।आयुक्त राव ने यह भी कहा कि सफाई कर्मचारियों की सेहत, सुरक्षा रक्षा की जानी चाहिए और मॉडर्न मशीन का सही इस्तेमाल करके काम की क्वालिटी को बेहतर बनाया जाना चाहिए।

रास्ता रोको आंदोलन की धमकी के बाद

पूर्व में वैभव होटल चौक पर ट्रैफिक सिग्नल का काम शुरू

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ पूर्व में वैभव होटल चौक के पास कई सड़क दुर्घटनाओं में लोगों की मौत के बाद यहां सिग्नल यंत्रणा नहीं लगाई जा रही थी. पिछले दिनों एक युवक की भी यहां सड़क दुर्घटना में मौत होने के बाद विधायक डॉ. बालाजी किणीकर, नगरसेवक निखिल चौधरी व अन्य ने बुधवार को रास्ता रोको आंदोलन की घोषणा के बाद प्रशासन जागा और चौक पर सिग्नल लगाने के काम की शुरूआत की गई है.

विधायक किणीकर ने बताया कि प्रशासन की लापरवाही के कारण इस चौक पर हाल ही में 2 दुर्घटनाएं हुई हैं. उन्होंने यहां पर सिग्नल लगाने का प्रस्ताव भी दिया है, लेकिन ट्रैफिक पुलिस एवं नगर परिषद का आपसी तालमेल ना होने से याहं पर सिग्नल नहीं लगाया जा रहा था. आज जब हमने रास्ता रोको आंदोलन की घोषणा की तो काम शुरू किया गया है. शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक रमेश पाटिल, ट्रैफिक पुलिस ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर शुरू काम का जायजा लिया है. नगरसेवक निखिल चौधरी, पुरुषोत्तम उगले ने कहा कि गत दिनों वैभव होटल चौक पर एक युवक की मौत होने के बाद लोगों में रोष था. सिग्नल लगने से यहां सड़क दुर्घटनाएं कम हो जाएंगी. लोगों के हित में ये कार्य किया जा रहा है. विधायक किणीकर के साथ नवनिर्वाचित नगरसेवक निखिल चौधरी, संदीप तेलंगे, प्रमोद कुमार चौबे, पुरुषोत्तम उगले, सुभाष सालुंखे आदि उपस्थित थे.

ठाणे मनपा चुनाव के लिए प्रशासन तैयार

33 सेंटरों में होंगे 2013 पोलिंग बूथ

ठाणे. मनपा आम चुनाव 2025-26 में बस दो हफ़्ते बचे हैं और इसे देखते हुए, ठाणे शहर में पोलिंग बूथ की फिजिकल सुविधाओं की प्लानिंग पूरी हो गई है, और चुनाव प्रशासन ने फ्लोर-वाइज़, पोलिंग बूथ-वाइज़ बूथ की डिटेल जानकारी जारी की है। इस जानकारी के अनुसार, शहर के 33 पोलिंग बूथ में कुल 2013 पोलिंग बूथ चालू करने की तैयारी चल रही है यह आयुक्त और चुनाव अधिकारी सौरभ राव ने कहा। मनपा आम चुनाव के लिए,प्रभाग समिति के हिसाब से पोलिंग स्टेशन बनाए जा रहे हैं।माजीवाड़ा मानपाड़ा प्रभाग समिति में 266, वर्तकनगर प्रभाग समिति में 186, लोकमान्यनगर-सावरकरनगर प्रभाग में 242, कलवा प्रभाग समिति में 263, उथलसर प्रभाग समिति में 158, वागले प्रभाग समिति में 160, नौपाड़ा कोपरी प्रभाग समिति में 214, मुंब्रा प्रभाग समिति में 269 और दिवा प्रभाग समिति में 255 पोलिंग स्टेशन होंगे।सेंटर को इस तरह से डिज़ाइन किया गया है कि वोटर आसानी से, सुरक्षित और पारदर्शी तरीके से वोट दे सकें। इसमें ग्राउंड फ्लोर पर 1207 कमरे, पार्टीशन फॉर्म में 361 कमरे, पवेलियन में 403 कमरे और फर्स्ट फ्लोर पर 42 कमरे होंगे।प्रशिक्षण वर्ग में मतदान केन्द्र अध्यक्षों को प्रत्येक मतदान केन्द्र पर प्रवेश एवं निकासी की पृथक व्यवस्था, मतदान अधिकारी एवं पुलिस कार्मिक, सीसीटीवी व्यवस्था, ईवीएम एवं बैलेट यूनिट मशीनों की सुरक्षित व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। बूथों की संख्या एवं व्यवस्था योजनाबद्ध तरीके से की जाएगी, ताकि मतदाताओं की भीड़ नियंत्रित रहे तथा मतदान प्रक्रिया समय पर पूर्ण हो सके।वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगों, गर्भवती महिलाओं एवं बीमार मतदाताओं को मतदान के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए ग्राउंड फ्लोर पर अधिक बूथ बनाए गए हैं। आयुक्त ने बताया कि आवश्यक स्थानों पर रैम्प, रेलिंग, व्हीलचेयर, पेयजल, छाया व्यवस्था एवं प्राथमिक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए गए हैं।चुनाव कार्य में नियुक्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मतदान केन्द्रों की डिजाइन के संबंध में आवश्यक प्रशिक्षण दिया गया है तथा मतदान दिवस पर किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो, इसके लिए मॉक ड्रिल एवं प्रारंभिक निरीक्षण किया जाएगा।

अंबरनाथ राकांपा के गट नेता सदाशिव पाटिल होंगे

पक्ष की तरफ से की गई घोषणा

अंबरनाथ. अंबरनाथ राष्ट्रवादी कांग्रेस (अ.प.) के 4 नगरसेवक जीत कर आए हैं. चारों का गटनेता पद पर सदाशिव हेंद्रे पाटिल का एकमत से चुन लिया गया है.

इन चारों नगरसेवकों सदाशिव पाटिल, सचिन पाटिल, पूनम शेलार एवं सुनिता पाटिल की 20 दिसंबर को एक बैठक हुई, जिसमें चारों ने अंबरनाथ नगर परिषद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी गट स्थापना के लिए मंजूरी दी गई और सदाशिव पाटिल की गट नेता पद पर नियुक्ति की गई है. इस गट को जिलाधिकारी ठाणे के पास दर्ज करने का निर्णय भी लिया गया है. राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रदेश महासचिव शिवाजीराव गर्जे ने 31 दिसंबर को ऐसी घोषणा एक पत्रक द्वारा करके उसकी प्रति जिलाधिकारी ठाणे एवं मुख्य अधिकारी अंबरनाथ को भेजा है. घोषणा पत्र में कहा गया है कि प्रदेशाध्यक्ष सुनिल तटकरे की मान्यता से राकांपा के चार नव निर्वाचित नगरसेवकों एवं गट नेता को पक्ष से मान्यता प्रदान की गई है.

विदित हो कि राज्य में भाजपा, शिवसेना, राकांपा मिल-जुल कर सरकार चला रहे हैं. अंबरनाथ के गट नेता एवं चारों नगरसेवक किस पक्ष का समर्थन करेंगे. भाजपा का अथवा शिवसेना का, उस पर सबकी नजर लगी हुई है.

उल्हासनगर में देसी पिस्तौल के साथ युवक गिरफ्तार

उल्हासनगर. विठ्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन की क्राइम डिटेक्शन टीम ने उल्हासनगर-4 के सुभाष टेकड़ी इलाके में छापा मारकर एक युवक को देसी पिस्तौल के साथ गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई मंगलवार को शाम के समय की गई।

गश्त ड्यूटी के दौरान, पुलिस कांस्टेबल सानप (B.No. 8244) और पुलिस कांस्टेबल वीर (B.No. 4300) को अपने गोपनीय मुखबिर से सूचना मिली कि सुभाष टेकड़ी में सर्टिफाइड स्कूल के मैदान में एक संदिग्ध व्यक्ति देसी पिस्तौल के साथ बैठा है। इस सूचना पर तुरंत ध्यान देते हुए, असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर कुलकर्णी के नेतृत्व में क्राइम डिटेक्शन टीम मौके पर पहुंची। शाम करीब 6.00 बजे, संदिग्ध हरकत कर रहे व्यक्ति को भागने का मौका दिए बिना हिरासत में ले लिया गया। दो अधिकारियों की मौजूदगी में की गई बॉडी सर्च के दौरान, उसकी कमर के पीछे लगभग 40 हजार रुपए कीमत की एक देसी लोहे की सिंगल बैरल पिस्टल मिली।

वह पिस्टल लगभग 6 इंच लंबी और 4.5 इंच ऊंची थी और उसमें चॉकलेट रंग की प्लास्टिक ग्रिप, ट्रिगर, ट्रिगर गार्ड और एक खाली मैगज़ीन थी। पिस्टल की बैरल पर अंग्रेजी में "Made 1.in" लिखा हुआ पाया गया। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान सोनू प्रकाश ठाकुर (उम्र 21), शहद फाटक, उल्हासनगर-01 के निवासी के रूप में हुई है और उसके खिलाफ इंडियन आर्म्स एक्ट की धारा 3 और 25 और महाराष्ट्र पुलिस एक्ट की धारा 37(1), 135 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

'संदेशे आते हैं...' में अनु मलिक ने मांगा क्रेडिट

कहा- क्योंकि यह गाना मैंने ही बनाया है

साल 1997 में रिलीज हुई जेपी दत्ता की ब्लॉकबस्टर हिट फिल्म 'बॉर्डर' का सीक्वल 23 जनवरी को रिलीज होने जा रहा है। मेकर्स ने इस फिल्म के लिए पिछले पार्ट का सुपरहिट गाना 'संदेशे आते हैं' रीमेक करने की बात कही है। उस दौर का यह एवरग्रीन गाना आज भी देशभक्ति से लबरेज कर देता है और लोगों की प्लेलिस्ट में जगह बनाए हुए है। लेकिन इसी बीच इस रीमेक सॉन्ग पर संकट के बादल मंडराते नजर आ रहे हैं। म्यूजिशियन अनु मलिक का कहना है कि मेकर्स को गाने के रीमेक में उन्हें क्रेडिट देना होगा।

इसी हफ्ते 'संदेशे आते हैं' के रीमेक का टीजर बॉर्डर-2 के मेकर्स ने जारी किया था। रीमेक सॉन्ग को गाया है मिथून ने और बोल मनोज मुंतशिर ने लिखे हैं। ऑरिजनल गाने के बोल जावेद अख्तर ने लिखे थे और म्यूजिक अनु मलिक ने दिया था। यही वजह है कि रीमेक सॉन्ग में अनु मलिक उन्हें क्रेडिट दिए जाने की बात कह रहे हैं। अनु मलिक ने एक समाचार एजेंसी के साथ बातचीत में कहा कि मुझे यकीन है कि वो मेरा नाम जरूर देंगे, क्योंकि वो गाना मैंने ही बनाया है।

अनु मलिक ने पीटीआई के साथ बातचीत में कहा, ₹मुझे लगता है गाने को रीक्रिएट किया गया है। मैं इसका हिस्सा नहीं हूं। मुझे यकीन है कि वो मेरा नाम देंगे, क्योंकि यह गाना मैंने ही बनाया है। उन्हें देना ही चाहिए, क्योंकि लोग हमारे कॉन्ट्रिब्यूशन के बारे में जानते हैं। वो इससे बच नहीं सकते। 'संदेशे आते हैं' के बिना बॉर्डर बन ही नहीं सकती। अनु मलिक और जावेद अख्तर दोनों का योगदान तारीफ के काबिल है, इसलिए उन्हें हमारा नाम कहीं न कहीं जरूर डालना होगा।₹

सोनू निगम और अरिजीत की तारीफ

अनु मलिक को सॉन्ग के रीक्रिएटेड वर्जन से काफी उम्मीदें हैं। उन्होंने सोनू निगम और अरिजीत सिंह के गाने में शामिल होने को लेकर एक्साइटमेंट जाहिर किया है। उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि गाना शानदार होगा, क्योंकि सोनू एक बेहतरीन सिंगर है। वो आज के बेस्ट सिंगर्स में से एक हैं, और अरिजीत एक मैजिकल सिंगर हैं। तो अरिजीत और सोनू की जोड़ी कमाल की होगी। लेकिन धुन अनु मलिक की होगी। अनु मलिक और जावेद अख्तर को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।"

श्री साई सेवा संस्था के स्कूली बच्चों का वार्षिक सम्मेलन संपन्न

भिवंडी. श्री साई सेवा संस्था के स्कूली बच्चों का वार्षिक सम्मेलन फेना गार्डेन, कामतघर में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ.बच्चों के सांस्कृतिक विकास को ध्यान में रखते हुए, नाटक, नृत्य, कोली नृत्य और देशभक्ति गीत बेहतरीन ढंग से प्रस्तुत किए गए. उक्त अवसर पर इंदिरा गांधी मेमोरियल उप जिला अस्पताल, भिवंडी की मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर माधवी पंधारे मैडम, क्रांतिताई राठी (सेवानिवृत्त कस्टम अधिकारी), उत्तर भारतीय सेवा संस्थाध्यक्ष ठाकुर कृष्णगोपाल सिंह द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया.डॉ. उज्वला बदलापुरकर, डॉ. नूर खान, स्वयंसिद्धि कॉलेज की एनएसएस इकाई के गगन सर, एडवोकेट मनोज रायचा, अनघा देशमुख और कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रह कर बच्चों की प्रस्तुति की मुक्त कंठ से सराहना किया.

विदित हो कि,विगत कई वर्षों से, यह संस्था स्कूल से बाहर रहने वाले अनाथ,गरीब बेसहारा और कचरा चुनने वाले बच्चों के लिए अध्ययन शिविर चला रही है और विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को स्कूली शिक्षा का आनंद दिलाने का कार्य सफलतापूर्वक कर रही है.उपस्थित सभी अतिथियों ने बच्चों के कार्यक्रमों की प्रसंशा की और उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं दीं.संस्था की संस्थापक उत्तर भारतीय सेवा संस्था महिलाध्यक्ष डॉ. स्वाति सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत और धन्यवाद किया और बच्चों से उनकी शैक्षिक, सांस्कृतिक और पौष्टिक भोजन व्यवस्था में सहयोग करने की अपील की. उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा प्रत्येक बच्चे का अधिकार है और यह सुनिश्चित करने के लिए सभी को मिलकर अथक प्रयास करना आवश्यक है कि यह उनसे कभी न छीनी जाए. कार्यक्रम का संचालन दानिश अंसारी और वीर आर्यन सिंह ने बखूबी किया. भिवंडी में स्कूल से बाहर रहने वाले बच्चों का पहला वार्षिक सम्मेलन उत्साहपूर्ण वातावरण में आयोजित हुआ. संस्थाध्यक्षा डाक्टर स्वाति सिंह ने कहा कि भिवंडी के आयुक्त अनमोल सागर और उपायुक्त बालकृष्ण क्षीरसागर गरीब बच्चों के शैक्षणिक विकास के लिए हमेशा से मार्गदर्शक रहे हैं.

मुख्य चुनाव निरीक्षक और चुनाव निरीक्षक शहर में पहुंचे

ठाणे. राज्य चुनाव आयोग ने ठाणे मनपा चुनाव के लिए महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडल, मुंबई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पी. वेलरासु को मुख्य चुनाव निरीक्षक नियुक्त किया है। जबकि सिंधुदुर्ग जिले की जाति सत्यापन अध्यक्ष समीक्षा चंद्राकर को 'चुनाव निरीक्षक' नियुक्त किया गया है। ये दोनों निरीक्षक 30 दिसंबर 2025 को ठाणे शहर में पहुंचे हैं। पी. वेलरासु का मोबाइल नंबर 9137449771 है और ठाणे के उप अभियंता सुधीर गायकवाड़ को उनका समन्वयक नियुक्त किया गया है और उनका मोबाइल 7039197131 है। समीक्षा चंद्राकर का मोबाइल 8976312118 है.

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099